प्रवेश विवरणिका
2021-22

कला

वाणिज्य

विज्ञान

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

एस०एम० जे० एन० (पी० जी०) कॉलेज, हरिद्वार

(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल से सम्बद्ध)

प्रवेश विवरणिका आवेदन शुल्क ₹ 200/-

Website:www.smjn.org

SMJN PG College Haridwar
#खेल में अनुशासन सर्वोपरि
टीम भावना दिलाती हैं #विजयश्री

हरिद्वार 12 फरवरी, 2020
एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज में आज क्रीड़ा विभाग द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता (छात्र व छात्रा वर्ग) का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज की अनेक टीमों ने प्रतिभाग किया। कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा द्वारा किया गया।
कबड्डी प्रतियोगिता, छात्र वर्ग का फाईनल मुकाबला में टीम उत्कर्ष के विभू चैधरी, दीपांशु बालियान, देवांश चौधरी, सन्नी, वैभव शिवांश सैनी, विशाल, वीशू व वरूण कुमार की टीम विजयी रहे,। विजयी टीम उत्कर्ष ने अपनी प्रतिद्वन्दी टीम उन्मेष के नितिन गर्जर, आकाश,

श्रीदेव सुमन विवि से संबद्धता का मार्ग प्रशस्त : रविंद्र पुरी

एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विवि ने जारी किया अनापत्ति प्रमाणपत्र

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

हरिद्वार। एचएनबी केन्द्रीय विवि ने नवीन सत्र 2021-22 के लिए संबद्ध महाविद्यालयों को अनापत्ति प्रमाणपत्र निर्गत कर दिये हैं। जिससे कई दिनों से चला आ रहा असमंजस समाप्त हो गया है। अब नवीन सत्र के प्रवेशार्थी छात्र-छात्राएं राज्य विवि श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि से सम्बद्ध हो जाएंगे।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष महंत रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने से श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि से संबद्धता का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे विगत कई दिनों से चला आ रहा ऊहापोह का वातावरण समाप्त हो गया है।

इस सत्र से प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्रीदेव सुमन विवि के पाठ्यक्रमों में ले सकेंगे प्रवेश

उल्लेखनीय है कि एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विवि से संबद्ध 16 अशासकीय महाविद्यालयों को राज्य विवि से सम्बद्ध होना है, उनकी प्रक्रिया में तीव्र प्रगति हुई है। जिन महाविद्यालयों ने असम्बद्ध होने के लिए गढ़वाल विवि से अनापत्ति प्रमाणपत्र हेतु आवेदन किया था उनको अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किये जा चुके हैं। प्राप्त सूचना के अनुसार एसएमजेएन पीजी कॉलेज, हरिद्वार एवं हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी को एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विवि द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र निर्गत हो चुके हैं।

प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि से सम्बद्ध होने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है। साथ ही हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी के प्राचार्य डा. राजेश पालीवाल ने भी जानकारी दी कि उनके महाविद्यालय को भी गढ़वाल केन्द्रीय विवि से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त हो चुका है तथा महाविद्यालय द्वारा राज्य विवि से सम्बद्ध होने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है। डा. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि राज्य विवि से संबद्ध होने पर राज्य सरकार की कई योजनाओं का लाभ महाविद्यालयों को मिलेगा। दोनों महाविद्यालयों ने अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत का आभार व्यक्त किया है।

हरिद्वार आसपास

महन्त रविंद्र पुरी ने बांटे कुष्ठ रोगियों और जरूरतमंदों को कंबल

हरिद्वार (बद्री विशाल)। नववर्ष के मौके पर श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट की ओर से कुष्ठ रोगियों और जरूरतमंदों को कंबल और दक्षिणा बांटी गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज की अध्यक्षता में चंडी घाट कुष्ठ रोगी आश्रम में कंबल वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि संघ के प्रचार प्रमुख पदम जी थे। इस अवसर पर मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी अनिल शर्मा और एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुनील बत्रा भी मौजूद थे।

इस मौके पर महन्त रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि संतों का जीवन परमार्थ के लिए होता है। संतों को जन सेवा के कार्यों को बढ़-चढ़कर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संतों ने हमेशा समाज को नई दिशा दी है और जरूरतमंदों की मदद की है। महंत रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट की ओर से हर साल जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री वितरित की जाती है।

इस अवसर पर संघ के प्रचार प्रमुख पदम जी ने कहा कि संतों का जीवन जनमानस के उपकार के लिए के लिए बना है संतो ने हमेशा समाज को नई दिशा दी है और समाज निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाई है।

एसएमजेएन कॉलेज अब श्रीदेव सुमन विवि से संबद्ध

हरिद्वार। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों को अनापत्ति प्रमाणपत्र निर्गत कर दिए हैं। एसएमजेएन कॉलेज को भी अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद वह राज्य विश्वविद्यालय श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध हो गया है।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री महंत रविंद्र पुरी ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने से श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्धता का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। बता दें कि एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि से संबद्ध 16 अशासकीय महाविद्यालयों को राज्य विवि से संबद्ध होना है। जिन महाविद्यालयों ने असंबद्ध होने के लिए गढ़वाल विश्वविद्यालय से अनापत्ति प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया था, उनको अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किए जा चुके हैं। एसएमजेएन पीजी कॉलेज हरिद्वार, हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी को एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि को अनापत्ति प्रमाणपत्र निर्गत हो चुके हैं। एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि महाविद्यालय के अब श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि से संबद्ध होने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि राज्य विवि से संबद्ध होने पर राज्य [illegible] की कई योजनाओं का लाभ महाविद्यालयों को मि[illegible]

कोविड से लड़ाई में सरकार को संत समाज का निरन्तर आर्थिक सहयोग मिल रहा है। श्री माँ मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट हरिद्वार के अध्यक्ष एवं निरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रद्धेय श्री महंत रविंद्र पुरी जी ने कोविड से लड़ाई में सहयोग के लिए 50 लाख रुपए का चेक मुझे भेंट किया। कोरोना जैसे जानलेवा वायरस से लड़ाई में संत समाज का आशीर्वाद और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम सभी मिलकर इस लड़ाई में अवश्य जीत हासिल करेंगे। मैं इस योगदान के लिए श्रद्धेय श्री महंत रविंद्र पुरी जी का आभार प्रकट करता हूं।

सशस्त्र झंडा दिवस पर सैनिक कल्याण कोष में दिये 51 हजार

हरिद्वार (एसएनबी)। [illegible]

छात्राओं के प्रसाधन कक्ष का लोकार्पण

पोस्टर प्रतियोगिता में गणेश ने मारी बाजी

स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन नवाजे

हरिद्वार | मुख्य संवाददाता

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव का समापन हुआ। सरस्वती वन्दना व द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सर्वप्रथम कॉलेज में निर्मित शौर्य दीवार पर देश के वीर शहीदों को नमन करते हुए प्रतीकात्मक रूप में नमक उठाकर नमक तोड़ो आंदोलन को जीवंत किया।

कालेज के छात्र गौरव बंसल ने महात्मा गांधी के रूप में अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत लखन गिरि द्वारा

आयोजन

- एसएमजेएन में आजादी का अमृत महोत्सव' पखवाड़े का समापन
- नमक उठाकर नमक तोड़ो आंदोलन को जीवंत किया

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को शॉल व पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों में बालकृष्ण, मुकेश त्यागी, राजेश शर्मा व सतेन्द्र सिंह बिष्ट को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर कालेज प्रबंधन ने सम्मानित किया।

कॉलेज के प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अभिनंदन करते हुए उनके बारे में संक्षिप्त में बताया। कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत लखन गिरि ने कहा कि कालेज परिसर प्रतीकात्मक रूप में दांडी मार्च का गवाह बन गया है।

संचालन विनय थपलियाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. मन मोहन गुप्ता, डा. सरस्वती पाठक, डा. तेजवीर सिंह तोमर, डा. नलिनी जैन, डा. जगदीश चन्द्र आर्य, डॉ सुषमा नयाल, डॉ मनोज कुमार सोही, डा. शिवकुमार चौहान, डा. रिचा मिनोचा, डा. विजय लता आदि शामिल रहे।

भारतीय जनता पा

Toppers-Our Pride

Aarti Goswami
B.A.

Alka
B.Com.

Anshita Sharma
M.Com

Yukti Dhiman
B.Sc. (PCM)

Shivangi Chaubey
B.Sc. (CBZ)

Anjali Sharma
B.Sc. (C.S.)

Neha Kumari
MA (Sociology)

Amita Pandey
MA (Pol. Science)

Poonam Rani
M.A. (Eco)

Himani Rani
M.A. (English)

Congratulations

We are Ready to Serve the nation

Selection

Ms. Tanuja
CRP-RRB Officer Scale-I

Devansh Tandon
P.O. (Indian Bank)

Ms. Jyogi
CRP-RRB Officer Scale-I

Mayank Kumar Sindhiya
(Uttarakhand Gramin Bank Officer Scale-1)

Nitish Kumar
(Ph.D. in Maths)

Himanshi Kohli
(Trainee Officer SBI)

कॉलेज प्रबन्धन

श्रद्धेय गुरू श्री निरंजनदेव जी
पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी

श्री महंत रविन्द्र पुरी जी
अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति
अध्यक्ष, मनसा देवी मन्दिर ट्रस्ट

श्री महंत रामरतन गिरी जी
सचिव, कॉलेज प्रबन्ध समिति

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य

एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज

गोविन्दपुरी, हरिद्वार-249401 (उत्तराखण्ड)
(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल
टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड से सम्बद्ध)

श्री महन्त रविन्द्र पुरी
अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति
फैक्स-01334-226032
Website:www.smjn.org
E-mail: principal@smjncollege.ac.in

सन्देश

एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज उन शिक्षण संस्थानों में से एक है जिसे यहाँ की ख्याति प्राप्त धार्मिक संस्था पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी सन् 1960 ई. में स्थापित किया था। हमारा महाविद्यालय जनपद हरिद्वार का सबसे प्राचीन और सबसे बड़ा महाविद्यालय है। यह अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय है जो पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के तत्वाधान में प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्री श्रवणनाथ मठ द्वारा संचालित किया जाता है। इस शिक्षण संस्थान में नगर के तथा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। यह एक सह-शिक्षण संस्थान होने के कारण नारी शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहा है। वास्तव में यह महाविद्यालय पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी तथा श्री श्रवणनाथ मठ के सन्तों की साधना का एक आशीर्वाद एवं प्रताप है।

कॉलेज के प्राध्यापक मण्डल में योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापकों की व्यवस्था है। प्राचार्य सहित सभी प्राध्यापक-प्राध्यापिकाएं शिक्षा के वांछनीय स्तर को बनाये रखने के लिए सतत् प्रयत्नशील रहते हैं। कार्यालय कर्मचारी वर्ग भी विद्यार्थियों को हर प्रकार की सहायता व सहयोग देने को तत्पर रहता है।

मैं इस नवीन सत्र में सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। यह नवीन सत्र भी विगत वर्ष की भांति कोरोना वायरस महामारी के चलते प्रारम्भ हो रहा है। इस महामारी का सामना हमें आत्म संयम, अनुशासन, सामाजिक दूरी, टीकाकरण तथा मास्क लगाकर सावधानीपूर्वक करना है। अतः सभी छात्र-छात्राएं इस मूल मंत्र को अपनाकर इस महामारी से लड़ने में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाह करेंगे। सभी छात्र-छात्राएं कोरोना टीकाकरण अभियान में भाग लेकर टीकाकरण करायें तथा कोरोना वायरस की संभावित तीसरी लहर को रोकने में अपनी अहम् भूमिका का निर्वहन करें।

(श्रीमहन्त रविन्द्र पुरी)
अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति
अध्यक्ष, मनसा देवी मन्दिर ट्रस्ट

एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज

गोविन्दपुरी, हरिद्वार-249401 (उत्तराखण्ड)
(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल
टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड से सम्बद्ध)

प्राचार्य की कलम से.....

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य
फोन- 01334-226032
फैक्स-01334-226032
E-mail:principal@smjncollege.ac.in

निरंजनी अखाड़ा श्री पंचायती के पूज्य संतों एवं श्री महंत रविन्द्रपुरी जी महाराज, अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति, श्री महन्त रामरतन गिरि जी महाराज, सचिव, कॉलेज प्रबन्ध समिति के नेतृत्व एवं संरक्षण तथा आशीर्वाद से जनपद के सबसे अग्रणी महाविद्यालय के रूप में एस.एम.जे. एन. (पी.जी.) कॉलेज, हरिद्वार विद्यार्थियों की संख्या की दृष्टि से तथा अन्य गुणात्मक दृष्टिकोण से निरन्तर विकासोन्मुख है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित इस महाविद्यालय के अन्तर्गत सह-शिक्षण की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ अनुशासन और व्यवस्था का सम्यक बोध भी विद्यार्थियों को कराया जाता है। महाविद्यालय में प्रवेश बिना किसी भेदभाव के केवल मैरिट के आधार पर ही किया जाता है। महाविद्यालय का परीक्षाफल विश्वविद्यालय में सदैव ही उत्तम रहा है एवं कॉलेज के मेधावी छात्र-छात्रायें विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में स्थान प्राप्त कर रहे हैं। छात्र-छात्रायें यहाँ के शांत वातावरण में तल्लीनता व मनोयोग के साथ अपनी अध्ययन क्षमता को विकसित करके शिक्षा प्राप्त करते हैं तथा शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से अपनी रुचि विकसित करके विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर विशिष्टता प्राप्त करने का प्रयास भी करते हैं। विभिन्न गतिविधियों में छात्र कल्याण परिषद के तत्वाधान में राष्ट्रीय/ अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के विषय पर विचारगोष्ठी, व्याख्यानमाला तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है जिसके माध्यम से नगर के बुद्धिजीवियों, गणमान्य नागरिकों एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी विद्वान् वक्ताओं के विचार सुनने का सुअवसर मिलता है। इस सत्र का प्रारम्भ भी गत वर्ष की भांति वैश्विक चुनौतियों के साथ हो रहा है। वैश्विक महामारी घोषित कोरोना वायरस के चलते समस्त मानव जाति को इसने अपने-अपने घरों में सीमित कर दिया तथा देश की अर्थ व्यवस्था पर प्रहार करने के साथ साथ काम करने की व्यवस्था में भी आमूल चूल परिवर्तन किया। छात्र-छात्राओं की कक्षाएं सत्र में इस महामारी के चलते स्थगित करनी पड़ी लेकिन नयी चुनौतियों के साथ ऑनलाइन कक्षाओं को प्रारम्भ किया गया तथा शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम को प्राध्यापकों द्वारा पूर्ण कराया गया जिसका अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा काफी सराहना की गयी।

आगामी सत्र भी इस महामारी की चुनौती के मध्य प्रारम्भ हो रहा है, हमें मजबूती के साथ इसका सामना करते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दोहराना है।

इस वर्ष कॉलेज में एक नवीन ब्लॉक का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा यह ब्लॉक भी छात्र-छात्राओं के अध्ययन हेतु इसी सत्र से उपलब्ध होगा। इस नवीन ब्लॉक का लोकार्पण राज्य के मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं हेतु शीतल पेयजल की सुविधा पुरातन छात्रों के सहयोग से कॉलेज प्रांगण में उपलब्ध करायी गयी। छात्रों हेतु आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक प्रसाधन कक्ष का भी निर्माण किया गया तथा एक अत्याधुनिक महिला प्रसाधन कक्ष का निर्माण भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड के सी.एस.आर. निधि के सहयोग से निर्मित किया गया है। छात्रा विश्राम कक्ष में दो सैनिटरी वैंडिंग मशीनों को भी लगाया गया।

विगत् सत्र में महाविद्यालय परिवार के सभी छात्र-छात्राऐं, प्राध्यापक साथी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी इस हेतु बधाई के पात्र हैं जिनके सहयोग से महाविद्यालय ने यह उपलब्धियाँ हासिल की हैं। मैं आशा करता हूं कि आगे आने वाले सत्र में भी महाविद्यालय निरन्तर नई ऊँचाईयों की ओर अग्रसर होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी रुचि के विषयों में वांछित व उच्चस्तरीय शिक्षा मिले, यही महाविद्यालय का संकल्प है।

इस नवीन सत्र में कॉलेज की सम्बद्धता उत्तराखण्ड राज्य के श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल से हो रही है। अतः प्रथम वर्ष के प्रवेशार्थी के प्रवेश श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के नियमों एवं दिशा निर्देशों के अनुरूप होंगे।

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य

Dr. S.K. Maheshwari
Dean, Student Welfare

S.M.J.N. (P.G.) College
Govindpuri, Haridwar (249401)
E-mail:principal@smjncollege.ac.in
Website:www.smjn.org

सन्देश

प्रिय छात्र-छात्राओं,

इस नवीन सत्र का प्रारम्भ कोविड-19 की द्वितीय लहर के पश्चात्, तीसरी संभावित लहर के मध्य हो रहा है। वैश्विक महामारी के चलते जहां सम्पूर्ण विश्व इससे आक्रान्त है, वही चुनौतियों के बीच में एस.एम.जे.एन.(पी.जी.) कॉलेज, हरिद्वार सत्र 2021-22 में आपका स्वागत करता है। जब आप महाविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रवेश करते हैं तो आपके मन में कुछ बनने की, कुछ करने की ललक होती है। आपकी ये भावनायें, परिवार, कॉलेज, समाज और देश के लिए श्रेष्ठकर अपने सपनों को पूरा करने के लिए आतुर होती हैं।

पूज्य संतों एवं मनीषियों का यह महाविद्यालय आपके सपनों को पूरा करने के लिए एक श्रेष्ठ वातावरण उपलब्ध कराता है। पूज्य संतों द्वारा सिंचित कॉलेज इस बात का द्योतक है कि यहाँ से बहुत बड़ी संख्या में राजनेता, प्रशासक, संगीतज्ञ, सी.ए. एवं सामाजिक कार्यकर्ता इस ज्ञान मंदिर से निकलकर अपनी सुगन्ध अपनी कर्मभूमि हरिद्वार एवं देश-विदेश में फैला रहे हैं।

छात्र कल्याण परिषद भी आपके लिए वर्षभर मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक क्षमता को निखारने वाले कार्यक्रम आयोजित करता है। आप इसमें प्रतिभाग करके अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं। आप सभी को कॉलेज में प्रवेश तथा श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए अग्रिम शुभकामनाएं एवं बधाई।

(डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी)
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

Dr. Saraswati Pathak
Chief Procter
Chairperson, Women Cell

S.M.J.N. (P.G.) College
Haridwar-249401
E-mail:principal@smjncollege.ac.in
Website:www.smjn.org

सन्देश

प्रिय छात्र-छात्राओं,

आप सभी को नवीन सत्र 2021-22 की हार्दिक शुभकामनायें, इस नवीन सत्र में आप जनपद के सबसे प्रतिष्ठित महाविद्यालय में प्रवेश लेने जा रहे हैं। एस.एम.जे.एन.(पी.जी.)कॉलेज, हरिद्वार एक अनुशासित तथा सुव्यवस्थित कॉलेज के रूप में ख्याति प्राप्त है। परिसर में छात्र-छात्राओं को निर्धारित वेशभूषा में आना आवश्यक किया गया है तथा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं सहभागिता हेतु छात्र कल्याण परिषद कार्य करती है। जनपद के सबसे बड़े महाविद्यालय ने प्रगति के नये आयाम प्रस्तुत किये हैं। मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि महाविद्यालय की मातृ संस्था पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के पूज्य संतों एवं कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री महन्त रविन्द्रपुरी गिरि जी महाराज, कॉलेज प्रबन्ध समिति के सचिव, श्री महन्त रामरतन गिरी जी महाराज के नेतृत्व में महाविद्यालय में अध्ययन एवं शोध के लिए अनुकूल वातावरण बनाया जाना सम्भव हो सका है। वर्तमान सत्र भी वैश्विक महामारी नोवेल केरोना वायरस के चलते चुनौतियों के मध्य प्रारम्भ होगा, इस सत्र में भी परम्परागत कक्षाओं के साथ साथ ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से कक्षाएं संचालित की जायेंगी, यह प्रवेशार्थी विद्यार्थियों के लिये एक नवीन अनुभव होगा।

अनुशासन छात्र जीवन की महत्ती आवश्यकता है, इस तथ्य का सम्यक् बोध भी छात्रों को कराया जाता है। वर्ष भर अध्ययन-अध्यापन का माहौल रहने के कारण ही परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग प्रायः नगण्य है। अतः इस आधार पर अनुशासन और व्यवस्था की दृष्टि से निःसंकोच यह एक आदर्श महाविद्यालय के रूप में स्थापित है, जहाँ छात्रों का प्रवेश बिना किसी भेदभाव के केवल योग्यता सूची के आधार पर ही दिया जाता है।

भारत सरकार, उत्तराखण्ड सरकार एवं माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए छात्राओं की सुरक्षा हेतु महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ बनाया गया है। आप अपनी शिकायत को लिखित निर्धारित पेटिका में डाल सकते हैं। आपका नाम गोपनीय रखा जायेगा, आपके उत्पीड़न को रोकना हमारा परम् कर्तव्य है जिससे आप महाविद्यालय में सुरक्षित एवं आत्मविश्वास से पूर्ण होकर अपनी शैक्षणिक योग्यता को निरन्तर बढ़ाते रहें। महाविद्यालय परिवार **'शून्य महिला उत्पीड़न'** उद्देश्य को हमेशा अपने समक्ष रखता है।

(डॉ. सरस्वती पाठक)
मुख्य अनुशासन अधिकारी
एवं चेयरपर्सन,
महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ

अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते

-ईशावास्योपनिषद्-11

जो विद्या-अविद्या इन दोनों को एक साथ जानता है, वह अविद्या (भौतिक ज्ञान) से मृत्युलोक को पार करके विद्या से अमृतत्त्व को प्राप्त कर लेता है। कर्म से जीवन में उपासना आ जाती है और उपासना से ही अमृत तत्त्व की प्राप्ति होती है। यह उपासना ही विद्या है। संभवत: इसीलिए हमारे तपोनिष्ठ ऋषि और आचार्य विद्या को उपासना का पर्याय मानकर उसकी साधना में रत रहकर उसके सम्यक् प्रसार में सदैव संलग्न रहे। कालांतर में आश्रम व्यवस्था बदली, शिक्षा के उपकरण भी बदले, किंतु समाज के अभ्युदय की कामना रखने वाले संतों की प्रवृत्ति अपरिवर्तित रही, उनकी मानवतावादी दृष्टि व लोकमंगल की भावना पहले जैसी ही रही। यही कारण है कि पूर्वकाल की भाँति स्वातंत्र्योचार युग में भी उच्चस्तरीय अध्ययन-अध्यापन के अनेक केंद्र विद्यानुरागी इन संत-महात्माओं द्वारा स्थापित किए गए। हमारा एस॰एम॰जे॰एन॰ (पी॰जी॰) कॉलेज भी एतद्विषयक शिक्षण संस्थानों में से एक है, जिसे यहाँ की ख्याति प्राप्त धार्मिक संस्था तपोनिधि पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के संतों एवं मनीषियों के सक्रिय सहयोग से सन् 1960 ई॰ में स्थापित किया था। उस समय इसका नाम जय भारत साधु महाविद्यालय रखा गया, किंतु सन् 1962 ई॰ में इसका परिवर्तित नाम "श्री श्रवणनाथ मठ जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज हरिद्वार" कर दिया गया।

यह उल्लेखनीय है कि पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के उदारमना तथा विद्यानुरागी संतों की प्रेरणा और उन्हीं के संरक्षण में यह संस्था तभी से निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। संप्रति यहाँ तीनों संकाय-कला, वाणिज्य और विज्ञान के अंतर्गत विविध विषयों में उच्चस्तरीय अध्ययन-अध्यापन का कार्य सुचारु रूप से हो रहा है। रोजगारोन्मुख शिक्षा की उपयोगिता एवं उद्योग जगत तथा शिक्षा जगत के मध्य उत्पन्न रिक्तता को समाप्त करने के उद्देश्य से एक मेमोरेन्डम ऑफ अन्डरस्टेडिंग (MOU) कॉलेज प्रबन्धन एवं सिडकुल मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (SMAU) के मध्य हस्ताक्षरित किया गया।

विद्यार्थियों की संख्या की दृष्टि से तथा अन्य गुणात्मक दृष्टिकोण से कॉलेज सतत विकासोन्मुख है। कॉलेज का परीक्षाफल विश्वविद्यालय में सदैव ही उत्तम रहा है। छात्र-छात्राएँ यहाँ के शांत वातावरण में तल्लीनता व मनोयोग के साथ अपनी अध्ययन क्षमता को विकसित करके सम्मानजनक अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करते रहे हैं। शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से अपनी रुचि विकसित करके विद्यार्थी विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर तद्विषयक विशिष्टता प्राप्त करने की सफल चेष्टा भी करते हैं।

अनुशासन छात्र जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, इस तथ्य का सम्यक् बोध भी छात्रों को कराया जाता है। वर्ष भर अध्ययन-अध्यापन का माहौल रहने के कारण ही परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग प्राय: दिखाई नहीं पड़ता है। अस्तु, अनुशासन और व्यवस्था की दृष्टि से नि:संकोच यह एक आदर्श महाविद्यालय कहा जा सकता है जहाँ छात्रों का प्रवेश बिना किसी भेदभाव के केवल मेरिट के आधार पर ही किया जाता है।

प्राध्यापक-मंडल में योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापकों की व्यवस्था है। सभी आचार्य शिक्षा के वांछनीय स्तर को बनाए रखने के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। कर्मचारी वर्ग भी विद्यार्थियों को हर प्रकार की सहायता एवं सहयोग देने को तत्पर रहता है। कॉलेज परिसर में छात्रों की अध्ययन निष्ठा को गतिशील बनाए रखने के लिए एक भव्य पुस्तकालय है जहाँ विभिन्न विषयों की लगभग 48,000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। छात्रों को सामान्य जानकारी देने के उद्देश्य से पुस्तकालय में अनेक उच्चस्तरीय पत्र-पत्रिकाएँ भी मंगवाई जाती हैं। छात्रों के लिए वाचनालय की भी व्यवस्था है, जहाँ वे उनका अवलोकन करके अपने सामान्य ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी रुचि के विषयों में वांछित व उच्चस्तरीय शिक्षा मिले, यही हमारा पावन संकल्प है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलोर द्वारा मार्च 2004 में महाविद्यालय का मूल्यांकन कर महाविद्यालय को बी श्रेणी प्रदान की गई। इन पाठ्यक्रमों को सफल बनाने के लिए तथा अपने महाविद्यालय को उत्तराखंड शासन द्वारा विशिष्ट महाविद्यालय का दर्जा दिलाने हेतु सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी वर्ग निरंतर प्रयासरत हैं। अत: विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों को नाम के अनुरुप पूर्ण मनोयोग से और अधिक गुणवत्ता युक्त बनना होगा। आशा है हम सभी वर्तमान सत्र में अनेक क्षेत्रों में अधिक गतिशील, चिंतनशील एवं अध्ययनशील होंगे।

Whoever understands meditation and karma as going together,
(he) overcoming death through karma, attains immortality through meditation.

-ISAVASYOPANISHAD-11

He, who knows *meditation*and *karma*together, overcoming *death* through *karma* attains*immortality* through *meditation*. The worship comes in life through*Karma* and *immortality* is attained in life only by *Worship*. This worship is *meditation*. Perhaps, that is why our ascetic Sage and Acharya were engaged in their*sadhana* as an alternative to worship, and also engaged in the propagation of it. As time passes away, Ashram system was changed, so the tools of education too. However, the tendency of these Saints who wished for the advancement of society remained unchanged; their humanistic vision and the feeling of *public welfare* remained the same. It is for this reason that like in the past, many centers of teaching have been established by these Saints-Mahatmas. Our ***S.M.J.N.(P.G.) College*** is also one of the educational institutions that was established at Haridwar by the saints and learned persons of well-known religious institution of ***Panchayati Akhara Shri Niranjani*** in the year 1960. Initially, the college was named as ***Jai Bharat Sadhu Mahavidyalaya***. In the year 1962, it was renamed as***Shri Shravan Nath Math Jawaharlal Nehru Degree College,*** now popularly known as ***S.M.J.N. (P.G.) College.***

It is worth mentioning here that this institution has been continuously moving on the path of development with the inspiration and patronage of scholarly and liberal Saints of ***Panchayati Akhara Shri Niranjani*** At present, high-level teaching-learning in many subjects of three streams (Arts, Commerce and Science) has been conducting smoothly. To provide greater opportunities of better applied education and employment to students, an MOU(*Memorandum of understanding*) has also been signed by College Management Committee with ***Sidcul*** Manufacturers Association Uttarakhand (SMAU) in Haridwar.

From the point view of number of students and other qualitative parameters, the college is growth-oriented. The results in examination have remained excellent for years in the university. The students have shown outstanding performance in the university exams by developing their learning skills with their consistent efforts under the guidance of the learned teaching faculty in the peaceful ambience of the college. They also aim to succeed and achieve new heights in various fields through participation in various competitions at University level.

Students are educated to realize the fact that discipline is the essential requirement of their life. The use of unfair means in examinations is not often seen due to a congenial learning environment of the college throughout the year. Our college is an ideal institution from the point of view of discipline and system where admission of students is done on the basis of merit without any discrimination.

There are qualified and experienced teachers in the staff. All teachers do their efforts to maintain the desirable standard of education. Staff members provide help and support to the students. There is a rich library in the college premises to support and enhance the knowledge and competitive abilities of the students to keep pace with the time and more than 48000 books of different subjects are available in it. In order to give general information to students, many high-level newspapers and magazines are also subscribed in the library. There is arrangement of a reading room also where they can enhance their general knowledge. Our pious determination is to provide desirable and higher education to each student according to his/her interest.

In March 2004, the National Assessment and Accreditation Council awarded "**B"grade** to the college. All professors and staff members are constantly trying to make these courses a success and to get the status of a special college by Uttarakhand government. Therefore, students, employees and professors will have to become more qualitative with full respect according to the name. Hope we all will be more dynamic, reflective and studious in many areas in the current session.

महाविद्यालय-परिवार

अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति	-	श्री महन्त रविन्द्र पुरी
सचिव, कॉलेज प्रबन्ध समिति	-	श्री महन्त रामरतन गिरी
प्राचार्य	-	डॉ॰ सुनील कुमार बत्रा

प्राध्यापक-मंडल*

वाणिज्य संकाय

1. डॉ॰ सुनील कुमार बत्रा	एम॰कॉम॰, एम॰ए॰ (अर्थशास्त्र), डी॰ फिल॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **प्राचार्य**
2. डॉ॰ मनमोहन गुप्ता	एम॰कॉम॰, एम॰ए॰ (अर्थशास्त्र), डी॰ फिल॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **विभागाध्यक्ष**
3. डॉ॰ तेजवीर सिंह तोमर	एम॰कॉम॰, एम॰ए॰ (अर्थशास्त्र), पी॰-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर
4. रिक्त		

कला संकाय

अर्थशास्त्र विभाग

1. रिक्त	असिस्टेंट प्रोफेसर
2. रिक्त	असिस्टेंट प्रोफेसर

अंग्रेजी विभाग

1. डॉ॰ (श्रीमती) नलिनी जैन	एम॰ए॰, एम॰फिल॰, पी-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**
2. रिक्त		असिस्टेंट प्रोफेसर

इतिहास विभाग

1. डॉ॰ संजय कुमार माहेश्वरी	एम॰ए॰, एल-एल॰बी॰ एम॰फिल॰, पी-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**

राजशास्त्र विभाग

1. श्री विनय थपलियाल	एम॰ए॰ (राजशास्त्र)	असिस्टेंट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**
2. रिक्त		

संस्कृत विभाग

1. डॉ॰ (श्रीमती) सरस्वती पाठक	एम॰ए॰, पी-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**

समाजशास्त्र विभाग

1. डॉ॰ जगदीश चंद्र आर्य	एम॰ए॰, पी-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**
2. डॉ॰ सुषमा नयाल	एम॰ए॰, पी-एच॰डी॰	असिस्टेंट प्रोफेसर

हिन्दी विभाग

1. रिक्त	असिस्टेंट प्रोफेसर
2. रिक्त	असिस्टेंट प्रोफेसर

विज्ञान संकाय

गणित/ रसायन विज्ञान/ भौतिक विज्ञान/ वनस्पति विज्ञान / जंतु विज्ञान एवं कम्प्यूटर साइंस

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

पी॰जी॰डी॰सी॰ए॰ / पी॰जी॰डी॰जे॰एम॰सी॰

उपरोक्त सभी में शिक्षक संविदा के आधार पर नियुक्त किये जाते हैं।

*यह सूची विभागानुसार है न कि वरिष्ठता क्रम में।

शिक्षणेतर कर्मचारीगण

कार्यालय–

1.	श्री मोहन चन्द पांडेय	–	कार्यालय अधीक्षक
2.	श्री वेद प्रकाश चौहान	–	स्टेनोग्राफर
3.	रिक्त	–	सहायक लेखाकार
4.	श्रीमती हेमवंती	–	लिपिक
5.	श्री संजीत कुमार	–	लिपिक
6.	दीर्घकालीन अवकाश पर	–	लिपिक
7.	रिक्त	–	लिपिक
8.	श्री घनश्याम सिंह	–	परिचर

पुस्तकालय–

1.	रिक्त	–	पुस्तकालय अध्यक्ष
2.	श्री अश्वनी कुमार अग्रवाल	–	पुस्तकालय लिपिक
3.	श्री राजकुमार	–	पुस्तकालय लिपिक
4.	श्री अशोक कुमार	–	पुस्तकालय लिपिक
5.	श्री कैलाश चन्द्र जोशी	–	परिचर
6.	श्री कुंवर पाल सिंह	–	परिचर
7.	श्री ओमी चन्द	–	परिचर

उपनल कर्मी

श्री सुशील कुमार (परिचर)
श्री शिवप्रसाद (परिचर)
श्री कमल नेगी (चौकीदार)
श्री राकेश (चौकीदार)
श्री विशाल कुमार (सफाई कर्मी)

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1.	महाविद्यालय प्रवेश फार्म एवं विवरण पत्रिका	–	16–08–2021
	प्रवेश पंजीकरण ऑनलाईन प्रारम्भ	–	कॉलेज वेबसाईट www.smjn.org
2.	ऑनलाईन पंजीकरण की अन्तिम तिथि	–	31 अगस्त, 2021
3.	योग्यता एवं प्रतीक्षा सूची का महाविद्यालय सूचनापट एवं कॉलेज वेबसाइट पर प्रकाशन	–	02 सितम्बर, 2021
4.	योग्यता सूची से अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रारम्भ	–	03 सितम्बर, 2021
	प्रवेश हेतु साक्षात्कार का समय	–	प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक
5.	प्रतीक्षा सूची से अभ्यर्थियों का प्रवेश	–	20–09–2021
6.	ऑनलाईन कक्षा आरम्भ	–	01–10–2021
	प्रवेश फार्म की उपलब्धता कॉलेज वेबसाइट पर	–	16–08–2021

छात्र/छात्रा अपना शुल्क ऑनलाइन कॉलेज के खाते में जमा करेंगे।

महाविद्यालय कैम्पस वाई–फाई (WiFi) सुविधा से आच्छादित है।

नोट– अपरिहार्य परिस्थितियों अथवा कोविड 19 के दिशा निर्देशों के तहत उपरोक्त तिथियों में परिवर्तन संभव है।

नोट : प्रवेश के समय अभ्यर्थी अनिवार्यतः स्वयं एवं अपने अभिभावक के साथ उपस्थित हो तथा अपने साथ सभी मूल प्रमाण–पत्र तथा उनकी सत्यापित प्रतियां साथ लायें। इसके लिये कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जायेगा। छात्र/छात्रायें जिस वर्ग (जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत जाति प्रमाण–पत्र ही स्वीकार होगा। खेलकूद प्रमाण–पत्र, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तर एवं एन.एस.एस./एन.सी.सी.) का लाभ लेना चाहते है, उसके प्रमाण–पत्र की प्रमाणित कॉपी, रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ संलग्न करें।इसके पश्चात् किसी भी छात्र–छात्रा का कोई भी प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।

विशेष–छात्र/छात्रा अपने पूर्ण रुप से ऑनलाईन भरे हुए प्रवेश फार्म की हार्ड कॉपी सत्यापित प्रतिलिपियों के साथ एवं मूल प्रमाण पत्रों को लेकर साक्षात्कार के समय उपस्थित होंगे।

अन्य जानकारी हेतु कॉलेज की वेबसाइट www.smjn.org का अवलोकन कर सकते हैं।

उपलब्ध पाठ्यक्रम व न्यूनतम प्रवेश योग्यता एवं उपलब्ध सीटों की संख्या

क्र.सं.	कक्षा (वर्ष)	विषय	न्यूनतम प्रवेश योग्यता	अनुमोदित सीट
1.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)	अर्थशास्त्र	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
2.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)	अंग्रेजी	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*3.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)**	हिन्दी	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*4.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)**	राजनीतिशास्त्र	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*5.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)**	समाजशास्त्र	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*6.	एम०कॉम०(प्रथम सेमेस्टर)**	वाणिज्य	बी०कॉम० अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	80
7.	बी०ए० प्रथम वर्ष	अर्थशास्त्र, अंग्रेजी हिन्दी, इतिहास राजनीति शास्त्र, संस्कृत समाज शास्त्र, संगीत*	इंटरमीडिएट अथवा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा स्वीकृत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	260
8.	बी०कॉम० प्रथम वर्ष	(समस्त विषय समूह)	इंटरमीडिएट अथवा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा स्वीकृत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	120
*9.	बी०कॉम० स्ववित्त पोषित प्रथम (वर्ष)**	(समस्त विषय समूह)	इंटरमीडिएट अथवा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा स्वीकृत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	180
*10.	बी०एस-सी० (प्रथम वर्ष)** स्ववित्त पोषित	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित	संबंधित विषयों सहित इंटरमीडिएट या श्री देवसुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा मान्य समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	60
*11.	बी०एस-सी० (प्रथम वर्ष)** स्ववित्त पोषित	रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान	सम्बन्धित विषयों सहित इंटरमीडिएट या श्री देव सुमन उत्तराखंड वि0वि0 द्वारा द्वारा मान्य	40
12.	बी०एस-सी० (प्रथम वर्ष)** स्ववित्त पोषित	भौतिक विज्ञान, गणित एवं कम्प्यूटर सांईस	समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	40
*13.	एम०ए०/एम०कॉम० (तृतीय सेमेस्टर)		क्रमशः एम०ए०/एम०कॉम० (द्वितीय सेमेस्टर) की परीक्षा उत्तीर्ण	
*14.	बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० तृतीय सेमेस्टर		बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण	
15.	बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० (पंचम सेमेस्टर)		क्रमशः बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० की चतुर्थ सेमेस्टर की	

वर्तमान सत्र से प्रथम वर्ष के पाठयक्रम श्री देव सुमन उत्तराखंड वि0वि0 के दिशा निर्देशों के आधार पर ही चलेगें।

विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2021-22 में बी.ए./ बी. कॉम/ बी.एस-सी. में तथा एम.ए./एम.कॉम. एवं पी.जी. प्रथम वर्ष पाठ्यक्रमों में प्रवेश श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के आधार पर किये जायेंगे।

***यह सभी पाठ्यक्रम स्ववित्तपोषित योजनांतर्गत संचालित किए जा रहे हैं।**
****सत्र 2021-22 के लिए उक्त पाठ्यक्रमों की संबद्धता विस्तारण प्रत्याशित है।**
*****तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं हे. न. ब. गढ़वाल वि.वि. द्वारा सेमेस्टर प्रणाली में बनाए गये सभी नियम उन पर भी लागू होंगे।**

प्रवेश सम्बन्धी नियम सत्र 2021-22

1. प्रवेश केवल योग्यता के आधार पर किया जाएगा। कला एवं वाणिज्य में स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में न्यूनतम 40% अंक आवश्यक हैं। उदाहरणार्थ 39.90% को भी 40% नहीं माना जाएगा। बी॰एस-सी॰ प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक आवश्यक है। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु स्नातक या समकक्ष परीक्षा में वि.वि. द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक/ग्रेड ही मान्य होंगे। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश अर्हता में 5% अंकों की छूट होगी।
2. **प्रवेश में आरक्षण का लाभ शासन द्वारा समय-समय पर जारी प्रावधानों के अंतर्गत दिया जायेगा।**
3. बी.कॉम. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु व्यावसायिक वर्ग से इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्रा की मेरिट का आकलन उसके प्रैक्टिकल में प्राप्त अंकों को छोड़कर केवल थ्योरी में प्राप्तांक के आधार पर किया जाएगा।
4. पहले से ही किसी विषय में स्नातकोत्तरीय उपाधि प्राप्त विद्यार्थी को किसी अन्य विषय में एम॰ए॰/एम॰कॉम॰ सेमेस्टर प्रणाली में अन्तर्गत संस्थागत प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
5. अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को किसी भी कक्षा एवं संकाय में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस विश्वविद्यालय से अनुत्तीर्ण छात्र अथवा ड्रापर भूतपूर्व छात्र के रूप में केवल परीक्षा में वि. वि. नियमानुसार सम्मिलित हो सकते हैं। ड्रापर से तात्पर्य है कि छात्र ने विधिवत प्रवेश लेने के पश्चात् पूरे सत्र अध्ययन किया हो और किसी कारणवश परीक्षा में सम्मिलित नहीं हुआ हो।
6. छात्र/छात्राओं को स्नातक स्तर पर छह (5) वर्ष तथा स्नातकोत्तर स्तर पर चार (4) वर्ष तक ही संस्थागत विद्यार्थी के रूप में अध्ययन करने की सुविधा होगी जिसमें एक वर्ष का गैप वर्ष भी सम्मिलित रहेगा।
7. दो वर्ष से अधिक गैप के पश्चात् प्रवेश नहीं मिलेगा। गैप वर्ष के साक्ष्य के रूप में सक्षम न्यायालय के नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
8. **प्रवेश केवल रिक्त स्थान रहने तक ही दिए जाएंगे। प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम तिथि तक प्रवेश करने के लिए कॉलेज बाध्य नहीं होगा। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि 30.09.2021 होगी।**
9. **बी॰ए॰ (प्रथम वर्ष) के प्रवेशार्थियों के योग्यता सूची में आने पर भी उनके द्वारा चयनित विषयों में प्रवेश केवल तभी दिया जाएगा जब तक उन विषयों में स्थान रिक्त हों। चयनित विषयों में स्थान उपलब्ध न होने की दशा में प्रवेशार्थियों को प्रवेश हेतु उस विषय का चयन करना होगा जिसमें स्थान उपलब्ध हों।**
10. **प्रवेश के समय छात्र द्वारा लिए गए विषयों को सत्र के मध्य परिवर्तित करने की अनुमति नहीं होगी।**
11. **निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रवेश हेतु उपस्थित न होने या निर्धारित तिथि तक शुल्क न जमा कराने पर प्रवेशार्थी अपना प्रवेश का अधिकार खो देगा तथा उसके स्थान पर दूसरे योग्य अभ्यर्थी का प्रवेश मैरिट के आधार पर कर दिया जाएगा।**
12. **कॉलेज के प्राचार्य को यह अधिकार है कि कॉलेज के अनुशासन और व्यवस्था के दृष्टिकोण से किसी भी विद्यार्थी को बिना कारण बताए प्रवेश देने से मना कर दे।**
13. किसी ऐसे विद्यार्थी को भी कॉलेज में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जो कॉलेज की परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए या प्रयोग का प्रयत्न करते हुए पकड़ा गया हो अथवा जिसके विरुद्ध परीक्षा में दुर्व्यवहार का प्रतिवेदन लिखा गया हो।
14. **पुलिस के अभिलेख में अपराधियों की सूची में शामिल अथवा चरित्र-हीनता के कारण न्यायालय द्वारा दंडित व्यक्तियों या फौजदारी के अभियुक्तों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।**
15. **हिंसक व्यवहार या दुर्व्यवहार, रैगिंग या कॉलेज स्टाफ के प्रति अभद्र व्यवहार करने के दोषी विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा अथवा प्रवेश होने की स्थिति में प्रवेश रदद् कर दिया जायेगा।**
16. **कॉलेज में श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय की प्रवेश संबंधी नियमावली के अंतर्गत ही प्रवेश किए जाएंगे। यदि इन प्रवेश संबंधी नियमों का उल्लंघन होता है तो ऐसा प्रवेश विश्वविद्यालय/कॉलेज प्रशासन द्वारा स्वत: ही रद्द कर दिया जाएगा।**
17. किसी भी छात्र-छात्रा को अगली कक्षा में तभी प्रवेश दिया जा सकेगा, जबकि उसके द्वारा पूर्व परीक्षा में उस पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित क्रेडिट अंकों को अर्जित कर लिया गया हो।

18. किसी भी छात्र-छात्रा को सत्र के मध्य अथवा किसी सेमेस्टर को पूरा करने के पश्चात् अगले सेमेस्टर में किसी अन्य कॉलेज से ट्रांसफर की अनुमति विश्वविद्यालय की पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं होगी।
19. आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा दिया गया विवरण यदि अपूर्ण/असत्य पाया गया हो उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
20. **शासन/विश्वविद्यालय से यदि प्रवेश संबंधी किसी अन्य नियम की अथवा उपर्युक्त नियमों में संशोधन की सूचना मिलती है तो उसका पालन तदनुसार किया जाएगा।**
21. बी॰ए॰/बी॰कॉम॰/बी॰एस-सी॰ अथवा एम॰ए॰/एम॰कॉम॰ प्रथम वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आवश्यक अर्हता (क्रमश: इंटरमीडिएट तथा स्नातक) के समकक्ष योग्यता के विषय में अधिक जानकारी हेतु प्रवेश समन्वयक अथवा कॉलेज कार्यालय से संपर्क करें।
22. संस्थागत छात्र उपाधि हेतु एक ही सत्र में अन्य किसी शिक्षा संस्थान में प्रवेश नहीं लेगा और न ही अन्य उपाधि हेतु परीक्षा में शामिल होगा। यदि कोई छात्र/छात्रा इस नियम का उल्लंघन कर परीक्षा में शामिल हो जाता है तो विश्वविद्यालय द्वारा उसकी परीक्षा निरस्त कर दी जाएगी। शोध छात्रों पर भी यह नियम लागू होगा। उदाहरणार्थ बी॰ए॰, बी॰एस-सी॰, बी॰कॉम॰, बी॰एड॰, एम॰कॉम॰, एल-एल॰बी॰ और डिप्लोमा (अभियंत्रण) तथा सर्टिफिकेट कोर्स जैसे बी॰टी॰सी॰, एम॰ए॰, एम॰एस-सी॰, एम॰कॉम॰, एल-एल॰बी॰, एम॰एड॰, एम॰एन॰एफ॰ई॰ की कक्षाओं में प्रवेश लिए हुए छात्र दूसरी कक्षा में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। नियम का उल्लंघन करने पर प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।
23. प्रवेश के पूर्व ही स्थानांतरण प्रमाण पत्र (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जमा करना आवश्यक है। किसी अन्य विश्वविद्यालय के छात्र को विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म ऑनलाइन भरते समय प्रवजन प्रमाण पत्र (माइग्रेशन) जमा करना होगा अन्यथा उसका अस्थाई प्रवेश निरस्त हो जाएगा।
24. **इण्टरमीडिएट परीक्षा में कम्पार्टमेंट/पूरक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले आवेदक भी बी॰ए॰/बी.एस.सी./बी॰कॉम॰ प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं, लेकिन उनके आवेदन पर तभी विचार किया जा सकेगा जब वे अपना अधिकारिक परीक्षा परिणाम मैरिट सूची प्रकाशन से पूर्व कॉलेज कार्यालय में उपलब्ध करा देंगे।**
25. **उच्च शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड हल्द्वानी (नैनीताल) के पत्रांक संख्या डिग्री सेवा/विविध/8639 दिनांक 7.01.2019 के अनुसार दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रवेश में 5 प्रतिशत सीट एवं 5 वर्ष आयु में शिथिलता प्रदान की जायेगी।**
26. **सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर (EWS) छात्र-छात्राओं को प्रस्तावित प्रवेश आरक्षण का लाभ वि.वि. द्वारा निर्धारित नियमावली/सरकार के नियमों/ शासनादेश के अनुरूप देय होगा।**

* विशेष –
* **प्रत्येक विषय में सीटों की संख्या वि.वि. द्वारा निर्धारित संख्या से अधिक नहीं होगी। वि.वि. द्वारा सीटों की संख्या में वृद्धि/कमी की जा सकती है।**
* **बी॰ए॰/बी॰ कॉम/बी.एस.सी. प्रथम वर्ष/तृतीय/पंचम सेमेस्टर में विद्यार्थी वि॰वि॰ द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुरूप ही विषयों को चयन कर सकेगा।**
* **राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय से (NIOS) इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अर्ह हैं।**
* **बी॰ए॰ प्रथम वर्ष में अर्थशास्त्र विषय के साथ संगीत विषय को चयनित नहीं किया जा सकता है।**

Rules for Admission (Session: 2021-22)

1. Admission shall be granted only on merit. Minimum 40% marks in intermediate or equivalent examination from Boards recognized by the University are required for admission in year year of B.A./B.Com. (For example, 39.9% will not be considered as 40 %.) Minimum 45% marks are required in intermediate or equivalent examination for admission in first semester of B.Sc. For admission in undergraduate and postgraduate classes, the minimum marks/grade prescribed by the university will be valid. At the time of admission 5% relaxation shall be given only to SC and ST candidates.
2. Reservation in admission shall be given in accordance with the provisions issued by the Government from time to time.
3. Admission in first Year of B.Com to the students who have passed intermediate with any professional course shall be considered only on the basis of marks obtained in theory excluding the marks obtained in practical.
4. A student already having appeared / passed in Master' degree in any subject shall not be granted admission under semester system in M.A./M.com with any other subject.
5. Admission shall not be granted in the same class or stream to the students who have failed in that class in earlier year. In that case only, a failed student or dropper from the university may be admitted as an ex-student in the examination. Dropper means that the student, *duly admitted*, has studied as a regular student during the entire session and has not appeared or has failed in that examination for any reason thereof.
6. A student can study as regular student for maximum of six years at graduate level and for maximum of four years at post graduate level. This period will include one year gap also.
7. Admission shall not be granted to a student having gap of more than two years after passing qualifying exam. As an evidence for the gap, it is mandatory to submit an affidavit attested by the competent court's notary, stating that during the gap, he has not studied as a regular student in any class or course anywhere. If the candidate has been admitted in any professional course after entrance examination organized by the university and he has appeared in examination too, that period shall not be considered as gap. Even then, that applicant shall also be required to pass the graduation in six years or post-graduation in four years.
8. Admission shall be granted till the seats remain vacant. The college will not be bound to grant admission till the scheduled last date for admission. The last date for admission in the first year at graduation will be .....
9. Admission in desired subjects in first year of B.A. will be subject to availability of seats in the subjects. If any applicant is included in the merit list for admission and the seats are not vacant in the desired subjects, the applicant will have to select other subjects in which seats are lying vacant.
10. After recommendation of Admission Committee, change in subject will not be permitted.
11. The candidate shall lose the right of admission if he/she does not turn up for counselling/interview on scheduled date / time or he/she fails to deposit fee on scheduled date. In that case, other candidates in the merit / waiting list may be granted admission on the merit basis.
12. The College shall have the right to deny admission or cancel the admission granted to an applicant without assigning any reason thereof.

13. Admission shall not be granted to the applicant who has been found using or attempting unfair means or misbehaving in any examination.
14. Applicant who has been a history-sheeter in police' records or has been convicted by a Court of Law for a crime committed by him/her or is an accused for committing a criminal offense shall not be granted admission.
15. Applicant who has been found guilty of indulging in acts of violence, misbehaviour with college staff or ragging shall not be granted admission. After admission, if a student is found guilty for aforesaid acts, his/her admission shall be cancelled.
16. Admission shall be granted only on the basis of the rules of College/ Sri Dev Suman Uttarakhand University, New Tehri. If any admission is found against such rules, the college/university shall cancel that admission.
17. A student seeking admission in next semester of the same programme shall be granted admission on the basis of acquired credit in earlier semester(s) as per rules of the university.
18. No transfer in the mid of session or in any semester subsequent after completing any semester(s) from any other college shall be allowed without prior permission of the university.
19. If any information given in the application for admission is found incomplete / false / misleading, student' admission shall be treated as cancelled.
20. If the central/state government, the university or the college amends any admission' rule, it will be followed accordingly.
21. For more information regarding the minimum qualification required for admission in any year/semester of B.A. / B.Com. / B.Sc. / M.A. / M.Com. Admission Co-ordinator or the college office should be contacted.
22. A student admitted to a course/programme of the college is not permitted to get admission to any other educational institution or course / programme or to appear for any examination for the award of a Degree / Diploma / Certificate.If a student violates this rule and appears in the examination, his / her admission shall be cancelled. This rule also applies to registered research scholars pursuing for Ph.D.This means that no student shall be permitted to study and be examined for two Degrees /Diplomas / Certificates during a single academic session with the exceptions of "Add On Courses"recognized as such by the University and courses offered in the distance mode of learning by recognized Universities pending the completion of the course / programme or the conclusion of the academic session concerned.
23. It is required to submit Transfer Certificate at the time of admission in the college. Students who have passed qualifying examination from any other university/board must submit a migration certificate at the time of submission of examination form online; otherwise, the provisional admission given to that student shall be treated as cancelled.
24. An applicant appearing for compartment / supplementary examination of 12th class can also register himself / herself for admission in B.A. / B.com./ B.Sc. first year. However, his / her application shall be considered only if his / her final result is made available to the college office before the declaration of merit lists.

एस.एम.ज.एन.(पी.जी.) कॉलेज, हरिद्वार

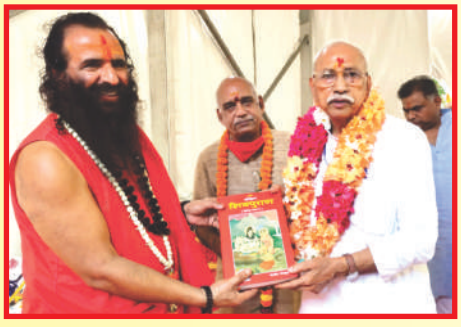

माननीय श्री

के नवनिर्मित भवन 'एच-ब्लॉक'
'माननीय श्री तीरथ

एस.एम.ज.एन.(पी.जी.) कॉलेज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड

माननीय श्री जे.पी. न
राष्ट्रीय अ

POLICE

परमवीर

SCIENCE DAY
ENDS IN SCIENCE
ECHNOLOGY
COLLEGE, HARDWAR

NATIONAL SCIENCE DAY

भारत की आजादी का
अमृत
महोत्सव

शौर्य दीवार
एम.एम.जे.एन.पी.जी. कॉलेज, हरिद्वार

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

एम. जे. एन. (पी. जी.) कॉलेज
हरिद्वार

PAY श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र
RUPEES इक्कीस लाख रुपये मात्र
अदा करें। ₹ 21,00000/-

माननीय श्री जे.पी.

परमवीर चक्र

हरिद्वार

(पी.जी.) कॉलेज

परमवीर चक्र

परमवीर चक्र

परमवीर चक्र

शौर्य दीवार

परमवीर चक्र

राष्ट्रीय सेवा योजना
छात्रा ईकाई

परमवीर चक्र

रक्तदान शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना
छात्रा ईकाई
National Service Scheme

INDIAN NATIONAL CONGRESS
REVOLUTIONARY MOVEMENTS
15 AUGUST
1947
INDIA GAINS INDEPENDENCE

परमवीर चक्र

एस. एम. जे. एन. (पी. जी.) कॉलेज
आजादी का अमृत महोत्सव

रक्तदान शिविर

एस. एम. जे. एन. (पी. जी.) कॉलेज
हरिद्वार
आपका हार्दिक अभिनंदन
करता है।

एस. एम. ज. एन. (पी. जी.) कालेज
हरिद्वार

परमवीर चक्र

SHRI NARENDRA MODI'S
MANN KI BAAT
28th February | 11 AM
S.M.J.N. (PG) Collage Haridwar
पूजनीय संतों एवं व्यापारियों के साथ

राष्ट्रीय सेवा योजना

एस. एस. जे. एन. (पी. जी.) कॉलेज
हरिद्वार
आपका हार्दिक अभिनंदन करता है।

एस. एस. जे. एन. (पी. जी.) कॉलेज
हरिद्वार
आपका हार्दिक अभिनंदन करता है।

एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज,

एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज,
हरिद्वार
आप सभी आगन्तुकों का
हार्दिक स्वागत

परमवीर चक्र

एस. एम. जे. एन. (पी. जी.) कॉलेज
हरिद्वार
आपका हार्दिक अभिनंदन
करता है।

आवेदन पत्र विषयक निर्देश

आवेदन पत्र जमा करते समय अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी निम्नांकित बातों का पालन सुनिश्चित करें–

1. प्रवेशार्थी प्रवेश हेतु निर्धारित ऑन लाइन आवेदन प्रपत्र का ही प्रयोग करें।
2. प्रपत्रों की समस्त प्रविष्टियाँ स्पष्ट रूप से अंकित करें तथा प्रमाण स्वरूप सभी आवश्यक परीक्षाओं की अंक तालिकाओं की सत्यापित प्रतिलिपि, चरित्र प्रमाण पत्र व स्थानांतरण प्रमाण पत्र की मूल प्रतियाँ व आरक्षण तथा अधिभार के लाभ हेतु प्रमाण पत्रों की स्वयं (Salf Attested) सत्यापित प्रतिलिपियाँ अवश्य अपलोड करें। व्यक्तिगत परीक्षार्थी किसी राजपत्रित अधिकारी/ लोकसभा/ विधानसभा/ विधान परिषद के सदस्य अथवा किसी महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करें।
3. **समस्त प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियाँ/फोटोस्टेट/इलैक्ट्रोस्टेट कॉपी संबंधित संस्था के प्राचार्य अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए। अभ्यर्थी स्वप्रमाणित प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत कर सकते हैं यदि किसी अभ्यर्थी का प्रमाण पत्र, अंक तालिका/जाति प्रमाण पत्र आदि जाँच में फर्जी पाया जाता है तो अभ्यर्थी का प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा साथ ही ऐसा व्यक्ति भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के अंतर्गत सजा का भागी होगा।**
4. किसी सरकारी/अर्द्धसरकारी संस्थान में कार्यरत होने पर आवेदन पत्र उपयुक्त माध्यम द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित होना चाहिए।
5. **प्रवेश हेतु योग्यता सूची, तिथि आदि की सूचना कॉलेज सूचना पट्ट एवं कॉलेज बेव साईट (www.smjn.org) पर देखें।**
6. प्रवेश के समय प्रवेश समिति के समक्ष मूल प्रमाण पत्रों सहित स्वयं उपस्थित हों ताकि उसके छायाचित्र एवं प्रमाणपत्रों का सत्यापन किया जा सकें। प्रवेश समिति की संस्तुति व प्राचार्य से प्रवेश की अनुमति मिलने पर कॉलेज कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करके शुल्क जमा कराने हेतु निर्धारित प्रपत्र प्राप्त करें तथा निर्धारित बैंक में निर्धारित तिथि पर निश्चित समय में शुल्क जमा करें।
7. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों के लिए आवश्यक है कि वांछित प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से उनके मूल निवास स्थान या वर्तमान निवास स्थान के शासकीय प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रदत्त हो। इस संदर्भ में अन्य कोई प्रमाण–पत्र कॉलेज द्वारा मान्य नहीं होगा। उपयुक्त/वांछित प्रमाण पत्र के अभाव में छात्र की सामान्य श्रेणी ही मानी जाएगी।
8. विकलांग प्रवेशार्थियों को जिला मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त मूल चिकित्सा प्रमाण पत्र तथा उसकी एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
9. किसी भी प्रकार का आरक्षण लाभ या अधिभार (एन॰सी॰सी॰, स्काउटिंग, खेलकूद, एन॰एस॰एस॰, वि॰वि॰ कर्मचारियों के वार्ड आदि संबंधी) चाहने पर प्रवेशार्थी आवदेन पत्र में निर्धारित स्थान पर सही का चिह्न (√) अवश्य लगाएँ तथा इसके लिए सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि अवश्य अपलोड करें अन्यथा उन्हें उक्त लाभ/अधिभार नहीं मिल सकेगा।

आवश्यक निर्देश–

- **प्रवेश फार्म भरते समय प्रवेशार्थी परिचय पत्र हेतु पासपोर्ट साइज फोटो सफेद कमीज एवं ब्लैक टाई में खींचकर अपलोड करें।**
- **शुल्क जमा होने के पश्चात् ही सम्बन्धित कक्षा में प्रवेश अन्तिम एवं मान्य होगा**
- **शुल्क जमा कराने के बाद वे रसीद दिखाकर अपना परिचय पत्र प्रवेश के समय कार्यालय से प्राप्त करें।**
- **प्रवेशार्थियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपना परिचय पत्र दिखाकर पुस्तकालय रीडर्स टिकट प्रवेश के समय ही प्राप्त कर लें।**
- **आवश्यक प्रमाण पत्रों के अभाव में या किसी अन्य प्रकार से अपूर्ण अपलोडेड आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।**

विशेष–

- आवेदन पत्र के अधूरे पाए जाने पर आवेदन पत्र निरस्त किया जायेगा और प्रवेशार्थी को प्रवेश अधिकार से वंचित किया जायेगा ।
- आरंभ में महाविद्यालय द्वारा समस्त प्रवेश अस्थाई तौर पर किए जाएंगे जिन्हें बाद में विश्वविद्यालय द्वारा जांच के पश्चात् ही स्थाई किया जा सकेगा।
- महाविद्यालय परिसर में निर्धारित यूनीफार्म (पोशाक) में ही छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जायेगा–

कॉलेज यूनीफार्म

1. छात्राओं के लिए सफेद कुर्ता, सफेद सलवार तथा नीला राजस्थानी दुपट्टा अथवा सफेद शर्ट तथा काली पेंट एवं ब्लैक कलर की टाई
2. छात्रों के लिए सफेद शर्ट तथा काली पैंट, टाई (ब्लैक कलर) वैकल्पिक
3. सर्दियों में इस पोशाक पर डार्क ग्रे रंग का स्वेटर, कार्डिगन या ब्लेजर पहना जा सकता है।
4. नवविवाहित छात्राएं गुलाबी रंग का सूट सलवार पहन सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

1. प्रवेश में आरक्षण एवं अधिभार शासन/वि0वि0 द्वारा जारी प्रावधानों के अन्तर्गत दिया जायेगा।
2. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि 30.09.2021 की होगी।
3. स्नातक तृतीय, पंचम तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर कक्षाओं में प्रवेश की वि.वि. द्वारा अंक तालिका निर्गत होने की तिथि से 20 दिनों के अंतर्गत मान्य होगी।
4. प्रवेश विवरणिका दिनांक 16.08.2021 से दिनांक 31.08.2021 तक स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाईन कॉलेज वेबसाईट पर उपलब्ध होगी तथा पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्रों को कॉलेज वेबसाईट पर जमा करने की अन्तिम तिथि 31.08.2021 होगी।
5. मैरिट सूची का प्रकाशन दिनांक 02.09.2021 को कॉलेज नोटिस बोर्ड एवं कालेज वेबसाइट पर सायं 4 बजे तक कर दिया जायेगा। मैरिट सूची में आने वाले प्रवेशार्थी उनकी निर्धारित तिथि को प्रवेश समिति के समक्ष समस्त शैक्षिक मूल प्रमाणपत्रों सहित उपस्थित होगें।
6. छात्रों को मेरिट के आधार पर ही प्रवेश दिए जायेंगे।
7. यद्यपि कॉलेज विवरणिका के प्रकाशन में यथासम्भव हर सावधानी का प्रयोग किया गया है फिर भी यदि कोई विसंगति/त्रुटि रह जाती है तो उसका समाधान कॉलेज कार्यालय से संपर्क करके किया जा सकता है।
8. आरक्षण का लाभ चाहने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित सर्टिफिकेट अनिवार्यत: आवेदन पत्र के साथ ही संलग्न करने होंगे। एक बार आवेदन पत्र जमा होने के बाद ऐसे प्रकरणों पर विचार करना संभव नहीं होगा क्योंकि प्रवेश हेतु साक्षात्कार से पूर्व योग्यता-सूची का आकलन कर लिया गया होगा।
9. अभ्यर्थियों को शुल्क जमा करने की जो तिथि महाविद्यालय द्वारा दी जाती है, अभ्यर्थी अनिवार्यत: उस तिथि पर शुल्क जमा करा दें।
10. सभी कक्षाओं का शुल्क विवरण सूचना पट्ट एवं कॉलेज की वेवसाइट **www.smjn.org** पर देखा जा सकता है।
11. महाविद्यालय प्रवेश सूचनाएँ सूचना पट्ट तथा कॉलेज की वेबसाइट **www.smjn.org** पर भी समय-समय पर देखी जा सकती है।
12. अपरिहार्य कारणों से प्रवेश तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है। इसके लिये महाविद्यालय का नोटिस बोर्ड देखते रहें।

शुल्क विवरण

शुल्क शासन/विश्वविद्यालय शुल्क निर्धारण समिति के नियमानुसार देय होगा। छात्र/छात्रा द्वारा जमा की गई प्रतिभूति धनराशि उसके उत्तीर्ण होने के एक वर्ष तक ही सुरक्षित रखी जाएगी। तदुपरांत यह निरस्त समझी जाएगी।

शासन/विश्वविद्यालय से यदि शुल्क संबंधी संशोधन की सूचना मिलती है तो उसका परिपालन तदनुसार किया जाएगा। यदि सत्र में प्रवेश के उपरांत शासन द्वारा शुल्क वृद्धि के निर्देश प्राप्त होते हैं तो भी विद्यार्थी द्वारा बढ़ा हुआ शुल्क देय होगा। शासनादेश सं॰ 50/उच्च शिक्षा/2003 के अनुरूप महाविद्यालय स्तर पर अनुदानित कक्षाओं में प्रवेश हेतु बालिकाओं को शिक्षण शुल्क से मुक्ति प्रदान किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है।

पहचान पत्र एवं चरित्र प्रमाण पत्र

महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त प्रत्येक छात्र को नियन्ता कार्यालय द्वारा एक पहचान पत्र जारी किया जायेगा। किसी छात्र को जारी पहचान पत्र को ही उसके विश्वविद्यालय का छात्र होने का एकमात्र प्रमाण माना जायेगा। नियन्ता मण्डल के किसी सदस्य के मांगने पर प्रत्येक छात्र को अपना पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मांगे जाने पर पहचान पत्र प्रस्तुत करने में किसी छात्र के असमर्थ रहने की स्थिति में उसे अनाधिकृत प्रवेशकर्ता माना जायेगा एवं उसके विरुद्ध विश्वविद्यालय के नियमों के अधीन कार्यवाही की जायेगी। पहचान पत्र खो जाने की सूचना नियन्ता कार्यालय को देना होगा तथा नियन्ता कार्यालय से इस आशय का आवेदन प्रवेश शुल्क की रसीद की छायाप्रति संलग्न करते हुए तथा निर्धारित शुल्क जमा करवाकर डुप्लीकेट पहचान पत्र कार्यालय से प्राप्त करना होगा।

महिलाओं के सम्मान की रक्षा हेतु विशेष प्रावधान

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं तदोपरान्त जारी शासन व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुपालन में महाविद्यालय में महिलाओं के विरुद्ध उत्पीड़न की रोकथाम हेतु एक प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। यह प्रकोष्ठ जिसमें प्रमुख रुप से महिला सदस्य सम्मिलित हैं परिसर में महिलाओं के सम्माान की अवहेलना की सूचना का संज्ञान लेता है। प्रकोष्ठ महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष व्याख्यान भी आयोजित करता है। यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय द्वारा महिला छात्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का पर्यवेक्षण भी करता है।

कॉलेज पत्रिका

योग्य मार्गदर्शन एवं समुचित नेतृत्व के अभाव में छात्र-छात्राओं की प्रतिभा एवं कार्यशक्ति उच्च स्तरीय अध्ययन और जीवनगत पूर्णता के क्रमश: विकास की सृजनात्मक प्रवृत्ति से हटाकर आए दिन विध्वंसात्मक एवं अवांछनीय दिशाओं की ओर उन्मुख कर दी जाती है किंतु यदि उन्हें उच्चाकांक्षापूर्ण जीवन की समुचित प्रेरणा, सही दिशा एवं तदनुरूप शिक्षा प्रदान की जाए तो ज्ञान साधना के क्षेत्र में युवा शक्ति की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रकाश में लाने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र के भावी निर्माण के महत्त्वपूर्ण घटक के रूप में नियोजित किया जा सकता है। कॉलेज पत्रिका का प्रकाशन उक्त दिशा में किया जाने वाला एक स्तुत्य प्रयास है। इससे कॉलेज की उपलब्धियों और भावी कार्य योजनाओं की संभव जानकारी तो मिलती ही है इसके अतिरिक्त महाविद्यालय परिवेश में साहित्यिक अभिरूचि में सम्यक् विकास, सुप्त प्रतिभाओं के जागरण व प्रोत्साहन के साथ साहित्यिक चेतना का भी निर्माण संभव होता है। कॉलेज पत्रिका 'अभिव्यक्ति' का वार्षिक प्रकाशन इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जाता है। वस्तुत: कॉलेज पत्रिका 'अभिव्यक्ति' छात्रों की रचना की एक प्रयोगशाला भी है। संस्था में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी इससे लाभान्वित होकर अपनी रचनात्मक क्षमता व सृजन शक्ति को विकसित कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएँ पत्रिका के प्रधान सम्पादक के सम्पर्क में रहें।

अनुशासन-समिति

अनुशासन चरित्र निर्माण का अनुषांगिक तत्व है। छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कॉलेज में उन्हें अनुशासित रखने के दायित्व का सम्यक् निर्वाह अनुशासन समिति करती है। छात्र-छात्राओं के सहयोग से कॉलेज में शांति और सुव्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। इसके अंतर्गत चीफ प्रीफैक्ट, डिप्टी चीफ प्रीफैक्ट तथा प्रीफैक्ट के दायित्वो को छात्र-छात्राएँ संभालते हैं तथा वे स्वयं अनुशासित रहकर कॉलेज में अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने में अपना सक्रिय सहयोग देते हैं। अनुशासन व्यवस्था की दृष्टि से सभी विद्यार्थियों को कॉलेज प्रशासन की ओर से परिचय पत्र जारी किए जाएंगे। जिस पर छात्र यथास्थान वांछित विवरण स्वयं अंकित करेगा और उस पर अपना पासपोर्ट साइज का चित्र लगाकर मुख्य अनुशासन अधिकारी से प्रतिहस्ताक्षरित तथा प्राचार्य से उस पर हस्ताक्षर कराने के पश्चात् कॉलेज में सदैव अपने पास रखेगा तथा अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर दिखाएगा। इस समिति में कार्य करने के इच्छुक छात्र मुख्य अनुशासन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

शोध

विश्वविद्यालय में शोध उपाधि पी॰एच–डी॰ हेतु अपेक्षित अर्हताएँ अग्रलिखित हैं– (1) शोध कार्य सर्वथा मौलिक हो, (2) नवीन तथ्यों की खोज की गई हो, (3) अज्ञात अथवा अल्प ज्ञात तथ्यों का उद्घाटन और उसके महत्व का दिग्दर्शन, (4)तथ्यों या सिद्धान्तों की नवीन व्याख्या, (5) अनुसंधाता की विवेचनानात्मक प्रतिभा तथा निर्णय–क्षमता भी उसके शोध कार्य में व्यक्त हो और उसका प्रतिपादन प्रभावशाली व शोध–प्रबंध की गरिमा के अनुरूप हो ताकि उसे यथावत् प्रकाशित किया जा सके। शोध–कार्य करने में इच्छुक छात्र/छात्राओं को हे.न.ब. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय की प्री–पी.एच.–डी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। इसके पश्चात् प्री.पी.एच.डी. (शोध पूर्व पाठ्यक्रम) पूरा करने के पश्चात् वे विश्विद्यालय द्वारा अनुमोदित शोध निर्देशक के निर्देशन में अपना शोध सम्पन्न कर सकेंगे। शोध कार्य पूर्ण कालिक होगा और शोधार्थी को विभागीय शिक्षण कार्यों में सहयोग भी अपेक्षित है।

शोध–समिति की बैठक में विषय के पंजीकृत होने पर उसकी सूचना शोध छात्र/छात्रा के पास विश्वविद्यालय द्वारा भेजी जाती है। सामान्यत: पंजीकरण की तिथि के उपरांत चार वर्ष की अवधि में शोध छात्र को अपना प्रबंध पूर्ण करना होगा। अनुसंधान कार्य की प्रगति के संबंध में भी शोध छात्र को अपनी आख्या निर्देशक महोदय के माध्यम से प्रत्येक छह माह पश्चात् प्रेषित करनी होगी, अन्यथा उसका पंजीकरण विश्वविद्यालय द्वारा रद्द कर दिया जाएगा। आवश्यक उपस्थिति पूरी करने के पश्चात् ही शोध छात्र/छात्रा अपना शोध प्रबंध (निर्धारित प्रतियों में) परीक्षणार्थ विश्वविद्यालय में जमा करा सकेगा/सकेंगे। शोध प्रबंध को जमा कराने की अवधि चार वर्ष है जिसे विशेष परिस्थितियों में कुलपति के अनुमोदन पर एक वर्ष हेतु बढ़ाया जा सकता है। शोध के लिए इच्छुक छात्र–छात्राएँ विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित विषय के शोध निर्देशकों से संपर्क करें।

शोध कार्य में पंजीकरण हेतु हे.न.ब. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा श्री देवसुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाही थौल टिहरी द्वारा निर्गत नियमों को लागू किया जायेगा।

शोध केन्द्रों एवं शोध निर्देशकों की सूची

1. **वाणिज्य संकाय** – **डॉ॰ सुनील कुमार बत्रा, डॉ॰ मनमोहन गुप्ता, डॉ॰ तेजवीर सिंह तोमर।**
2. **अंग्रेजी** – **डॉ॰ (श्रीमती) नलिनी जैन**
3. **समाजशास्त्र** – **डॉ॰ जगदीश चन्द्र आर्य, डॉ0 सुषमा नयाल**

खेलकूद

महाविद्यालय में एथेलेटेक्सि, योग, बैडमिंटन, वॉलीबाल, क्रिकेट, शतरंज, कैरम आदि खेलों की व्यवस्था है एवं प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय स्तर पर अनेक खेलों में भाग लेने के लिए महाविद्यालय की टीम भेजी जाती है। महाविद्यालय से प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिससे कि विद्यार्थी अपनी शारीरिक क्षमता व खेलकूद संबंधी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। विभिन्न प्रकार के खेलकूदों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को खेलकूद अधीक्षक से निरंतर संपर्क रखना चाहिए। उच्च कक्षाओं में प्रवेश तथा नियुक्तियों में खेलकूद प्रमाण पत्र धारकों को नियमानुसार वरीयता/अधिमान प्रदान किए जाते हैं।

पुस्तकालय

छात्र समुचित ज्ञानार्जन कर सके इसके लिए कॉलेज में समृद्ध पुस्तकालय की सुंदर व्यवस्था है जिसमें सभी विषयों की पर्याप्त संख्या में पुस्तकें हैं। सभी नियमित छात्र पुस्तकें प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। पुस्तकें प्राप्त करने के लिए छात्रों को 'रीडर्स टिकिट' पुस्तकालय से लेने होंगे। पुस्तकालय में प्रवेश के लिए परिचय पत्र दिखाना आवश्यक होगा।

परीक्षा प्रारंभ होने के 10 दिन पूर्व तक पुस्तकालय की सभी पुस्तकें आवश्यक रूप से लौटानी होंगी। पुस्तकें न लौटा पाने की स्थिति में छात्रों का परीक्षा प्रवेश पत्र रोक दिया जाएगा।

आवश्यक निर्देश

- ★ प्रवेश आवेदन पत्र अहस्तांरणीय तथा ऑनलाइन भरा है। स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 31.08.2021 है।
- ★ प्रत्येक संकाय/विषय हेतु पृथक्-पृथक् आवेदन पत्र भरना आवश्यक हैं।
- ★ प्रवेश प्रक्रिया मेरिट के आधार पर पूर्ण की जायेगी।
- ★ प्रवेश समिति की संस्तुति प्रवेश हेतु अपरिहार्य है।
- ★ प्रवेश संस्तुति होने के उपरांत अविलम्ब शुल्क जमा कराना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि को शुल्क जमा न होने की स्थिति में प्रवेश स्वत: निरस्त माना जायेगा।
- ★ महाविद्यालय परिसर में प्रत्येक विद्यार्थी को नियंता द्वारा प्रमाणित सत्र 2021-22 का परिचय पत्र लाना अनिवार्य होगा।
- ★ महाविद्यालय परिसर में प्रत्येक कार्य दिवस में प्रात: 7 बजे से पूर्व तथा सायं 4 बजे के पश्चात् प्रवेश वर्जित है।
- ★ छात्र-छात्राएं महाविद्यालय के मुख्य गेट के सामने व आस-पास वाहन खड़ा न करें। वाहन पार्किंग हेतु निर्धारित स्थान का ही प्रयोग करें।
- ★ महाविद्यालय देवी सरस्वती का प्रांगण है। अत: इसकी स्वच्छता बनाये रखना सभी का नैतिक कर्त्तव्य हे। धूम्रपान, पान एवं गुटखा आदि का सेवन कॉलेज प्रांगण में करना वर्जित है।
- ★ पोस्टर व बैनर का प्रयोग महाविद्यालय की चारदीवारी व प्रांगण में पूर्णतया वर्जित है।
- ★ महाविद्यालय परिसर में शैक्षिक गुणवत्ता बनाने एवं महाविद्यालय परिसर में बाहरी आवंछित तत्त्वों पर प्रभावी रोकथाम हेतु सी.सी. टीवी कैमरों के द्वारा सतत् निगरानी रखी जाती है।

महाविद्यालय कैम्पस वाई–फाई (WiFi) सुविधा से आच्छादित है।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार समितियां

बी.ए. एवं बी.कॉम. तथा बी.एस-सी. में सत्र 2021-22 में प्रवेश हेतु साक्षात्कार समितियों का निम्नवत् गठन किया गया हैं।

बी.ए.प्रथम वर्ष	डॉ. सरस्वती पाठक	संयोजक	**साक्षात्कार परीक्षा कक्ष में**
	डॉ. संजय माहेश्वरी	सदस्य	
	डॉ. जे.सी.आर्य	सदस्य	
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	डॉ. नलिनी जैन	संयोजक	
	डॉ. सुषमा नयाल	सदस्य	
बी.ए. (पंचम सेमेस्टर)	डॉ. नलिनी जैन	संयोजक	
	श्री विनय थपलियाल	सदस्य	
बी.कॉम.प्रथम वर्ष	डॉ. मनमोहन गुप्ता	संयोजक	**साक्षात्कार वाणिज्य कक्ष में**
बी.कॉम.तृतीय सेमेस्टर	डॉ. टी.एस. तोमर	संयोजक	**साक्षात्कार एन.सी.सी. कक्ष में**
बी.कॉम. पंचम सेमेस्टर	डॉ. टी.एस. तोमर	संयोजक	**साक्षात्कार एन.सी.सी. कक्ष में**
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	श्री विनीत सक्सैना	संयोजक	**साक्षात्कार विज्ञान भवन में**
	डॉ. सुषमा नयाल	सदस्य	
बी.एस.सी. तृतीय/पंचम सेमेस्टर	**साक्षात्कार कमेटी बाद में घोषित की जायेगी।**		
एम.कॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर	डॉ. मनमोहन गुप्ता	संयोजक	**साक्षात्कार वाणिज्य कक्ष में**

एम.ए. सेमेस्टर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश हेुत साक्षात्कार तथा प्रवेश हेतु संस्तुति सभी संबंधित विषयों के विभागाध्यक्षों द्वारा पृथक रूप से की जायेंगी।

नोट- वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय हेतु गठित प्रवेश समितियां अपना कार्य प्रात: 9 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक तथा कला संकाय हेतु गठित प्रवेश समिति अपना कार्य प्रात: 9.30 बजे से अपरान्ह 2 बजे के मध्य सम्पन्न करेंगी।

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य

डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी
मुख्य प्रवेश समन्वयक, 2021-22

प्रवेश विवरणिका आवेदन शुल्क ₹ 200/-

Web.www.smjn.org

कॉलेज प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों की सूची

सत्र–2021–22

क्र०सं०	पदाधिकारी का नाम	पदनाम
1.	महन्त श्री रविन्द्र पुरी जी	अध्यक्ष कॉलेज प्रबन्ध समिति
2.	महंत श्री राम रत्न गिरी जी	सचिव, कॉलेज प्रबन्ध समिति
3.	महन्त श्री नरेन्द्र गिरी जी	सदस्य, प्रबन्ध समिति
4.	महन्त श्री राधे गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
5.	महन्त श्री ओमकार गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
6.	महन्त श्री केशवपुरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
7.	महन्त श्री शिव वन जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
8.	श्री महंत नरेश गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
9.	महन्त श्री रामानन्द पुरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
10.	दिगम्बर श्री गंगा गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
11.	श्री प्रेमप्रकाश भल्ला जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
12.	श्री आर०के० शर्मा जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
13.	डॉ० सुनील कुमार बत्रा	प्राचार्य/पदेन सदस्य
14.	डॉ० एम०एम० गुप्ता	सदस्य, शिक्षक प्रतिनिधि
15.	डॉ० टी०एस० तोमर	सदस्य, शिक्षक प्रतिनिधि
16.	डॉ० श्रीमती सरस्वती पाठक	सदस्य, शिक्षक प्रतिनिधि
17.	श्रीमती हेमवन्ती	सदस्य, शिक्षणेत्तर कर्मचारी प्रतिनिधि

रेगिंग के संबंध में प्रावधान

विश्वविद्यालय ने रेगिंग की समस्या के नियंत्रण हेतु यू.जी.सी. के नियम अपने परिसर में तथा समस्त महाविद्यालयों में रेगिंग की प्रभावशाली रोकथाम हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों मार्च 2009 तथा माननीय उच्चतम न्यायालय के पत्र सं. 310/04/एस. आई.ए. दिनांक 26 फरवरी, तथा 17 मार्च, 2009 को दृष्टिगत रखते हुए निम्नलिखित प्रावधान किये हैं–

1. रेगिंग से सम्बन्धित अभिप्राय है :

Any disorderly conduct whether by words spoken or by an act which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness any other student, indulging is rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause embarrassment, annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or a junior student or asking the students to do any act or perform something which such students will not in the ordinary course do or perform and which has the effect of casing or generating a sense of shame or so as to adversely affect the physique or psyche or a junior student. Any of the above acts committed by any student of the same or junior or senior class shall be deemed to be ragging

रेगिंग के दोषी पाये गये व्यक्तियों को दण्ड

संस्था की रेगिंग निरोधक समिति के अभिमत में अपराध की स्थापित प्रकृति एवं गंभीरता के आधार पर संस्थागत स्तर पर रेगिंग के दोषी पाये गये व्यक्तियों को दिये गये दण्ड निम्न में से कोई एक अथवा उसका समूह हो सकता है–

- ★ प्रवेश निरस्त किया जाना ★कक्षा से निलम्बन ★ छात्रवृत्ति तथा अन्य लाभ रोके रखना अथवा निरस्त करना
- ★ किसी भी परीक्षा अथवा मूल्यांकन प्रक्रिया से वंचित करना ★परीक्षा परिणाम रोकना
- ★ किसी भी क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्था अथवा युवा महोत्सव संस्था का प्रतिनिधित्व करने से रोकना।
- ★ छात्रावास से निष्कासन ★निरस्तीकरण ★संस्था से एक से चार सेमेस्टर अवधि हेतु निष्कासन
- ★ संस्थान से निष्कासन एवं तदोपरान्त अन्य किसी संस्था में प्रवेश से वंचित किया जाना
- ★ ₹25 हजार का जुर्माना ★जब रेगिंग का अपराध करने वाले व्यक्तियों को न पहचाना जाय तब सम्भावित रेगिंगकर्ताओं पर सामुदायिक दबाब बनाने हेतु संस्था सामूहिक दण्ड का प्रयोग करेगी।

रविंद्रपुरी को दिया भोज पत्र पर हस्तलिखित प्रशस्ति पत्र

हरिद्वार। कोरोना काल में श्री गंगोत्री धाम के सभी राजभोग प्रसाद एवं भोजन आदि की सामग्री की व्यवस्था कराने पर श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज को रावल शिव प्रकाश एवं मंदिर समिति के सचिव ने भोज पत्र पर हस्तलिखित प्रशस्ति पत्र एवं ब्रह्म कमल के पुष्प एवं गंगाजलि प्रदान कर उनका आभार व्यक्त किया।

मंगलवार को श्री गंगोत्री धाम के रावल शिव प्रकाश हरिद्वार पहुंचे और श्रीमहंत रविंद्र पुरी को प्रशस्ति पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में श्रीमहंत रवींद्र पुरी के द्वारा मानवता की सेवा के लिए जो कार्य किया गया है वह एक अत्यंत प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि छह महीने तक श्री गंगोत्री धाम की सेवा जारी रहेगी। इस अवसर पर एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील बत्रा, मां मनसा देवी मंदिर के ट्रस्टी अनिल शर्मा, हेमंत टुटेजा, प्रतीक सुरी, पुरुषोत्तम शर्मा आदि उपस्थित थे।

दीक्षा और आकाश सैनी ने लहराया परचम

हरिद्वार | हमारे संवाददाता

एसएमजेएन पीजी कॉलेज के दो छात्रों ने आईआईटी जेम-2021, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-एमएससी में प्रवेश के लिए संयुक्त परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

कॉलेज के प्राचार्य डा. सुनील बत्रा ने बताया कि उक्त परीक्षा हेतु कॉलेज की छात्रा दीक्षा वर्मा ने गणित विषय तथा आकाश सैनी ने रसायन विज्ञान विषय में इस महत्वपूर्ण परीक्षा को उत्तीर्ण किया है। आईआईटी जेम के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी संस्थान में इन छात्राओं को प्रवेश का अवसर मिलेगा।

दीक्षा वर्मा। आकाश सैनी।

कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव श्रीमहंत रविन्द्र पुरी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि समस्त अभ्यर्थियों ने अपने माता-पिता, परिवार व जनपद का नाम रोशन किया है। प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत लखन गिरि ने समस्त अभ्यर्थियों को अपनी शुभकामनायें प्रेषित की। कॉलेज फैकल्टी ने दोनों छात्रों को शुभकामनाएं दी है।

छात्र-छात्राओं को दिए बेहतर एवं सफल कॅरियर के टिप्स

भास्कर समाचार सेवा

● एसएमजेएन पीजी कालेज में आयोजित हुई कॅरियर काउंसलिंग

हरिद्वार। स्थानीय एसएमजेएन पीजी कॉलेज में कॅरियर काउंसिलिंग सैल तथा छात्र कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गूगल मीट के माध्यम से कॅरियर काउंसिलिंग के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में प्रतिभागियों को अपने उद्बोधन में डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि उत्तराखंड राज्य की पारिस्थितिकी तंत्र को ध्यान में रखते हुए युवाओं को सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार सृजन एवं नवीकरणीय नवाचार से अपने कौशल विकास को संबद्ध करना चाहिए। युवाओं को रोजगार सृजक बनकर राज्य के अन्य युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करना चाहिए। युवा नौकरी की तैयारी तो करें ही, परंतु नौकरी देने वाला भी बनें।

यूको बैंक की सहायक प्रबंधक पल्लवी द्वारा छात्र छात्राओं को बैंकिंग क्षेत्र के बारे में जानकारी दी गई। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. संजय माहेश्वरी ने इतिहास विषय को केंद्र में रखकर छात्र-छात्राओं को सिविल सर्विसेज के विषय में महत्वपूर्ण सुझाव दिये। उन्होंने कॅरियर काउंसिलिंग में छात्रों के प्रश्नों के समाधान भी प्रस्तुत किये। कॅरियर काउंसिलिंग सैल के समन्वयक विनय थपलियाल द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

भजन आत्मा को ईश्वर के समीप ले जाने का माध्यम : रविंद्र पुरी

■ हरिद्वार/एसएनबी। श्रवणनाथ मठ जवाहर लाल नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में भजन संध्या का आयोजन किया गया। निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविन्द्रपुरी महाराज, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत नरेंद्र गिरी महाराज ने द्वीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर श्री महन्त रविन्द्रपुरी महाराज ने कहा कि भजन मनुष्य की आत्मा को संतोष प्रदान करता है एवं ईश्वर के समीप ले जाने का माध्यम है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहन्त नरेन्द्र गिरि महाराज ने कहा कि भक्ति ईश्वर प्राप्ति का सरल माध्यम है। कॉलेज के प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने महंतों का स्वागत किया। भजन संध्या में कोरोना काल में शिव तांडव स्तोत्र को वीडियो को प्रसारित किया गया। इस अवसर पर श्रीमहंत रविन्द्र पुरी ने कुनाल धवन द्वारा कुम्भ गीत की वीडियो का लोकार्पण किया। भजन संध्या कार्यक्रम में विपुल रौहेला, कुअन्नया भटनागर, पंकज भट्ट, मेहताब आलम, शीना भटनागर, ने भी प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर पूर्व छात्रों सुनील पांडेय, आदेश त्यागी, विकास तिवारी, अरविन्द चंचल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष गवाक्ष जोशी, अरविन्द श्रीवास्तव, मेहताब आलम, अनिल शर्मा, राजेश शर्मा, डा. राजीव शर्मा, विपिन गोयल ने श्रीमहन्त रविन्द्र पुरी महाराज का स्वागत किया। भजन संध्या का संचालन डा. संजय कुमार माहेश्वरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष लखन गिरि महाराज, रामरतन गिरि महाराज, कॉलेज प्रबन्ध समिति के वरिष्ठ सदस्य राधे गिरि, दिनेश गिरी, ओमकार गिरी, मनीष भारती, केशव पुरी, स्वामी शंकरानन्द सरस्वती, नरेश गिरी, डा. सरस्वती पाठक, आलोक पाठक, अश्वनी कुमार जगता, मोहन चन्द पांडे, पंकज यादव, डा. विशाल गर्ग, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक पदम सिंह, अनूप कुमार, सरोज भारती आदि रहे।

छात्र-छात्राओं ने आंदोलनों को कैनवास पर उतारा

भास्कर समाचार सेवा

● एसएमजेएन कालेज में हुई पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में 'आजादी का अमृत महोत्सव' पखवाड़े के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की ओर से पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में कु. लवली पाण्डेय ने दांडी मार्च, खुशबू शर्मा ने चिपको आंदोलन, कु. नेहा ने भारत का संविधान, गौरव बंसल ने आजादी का अमृत महोत्सव, गणेश गौड़ ने आजादी की यात्रा, गुंजन पांडेय व नवनीत कौर ने विफोर व आफ्टर इंडीपेंडेंस तथा आमिर ने चूल्हे से चांद तक पहुंची महिला आदि शीर्षकों व विचारों को पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किया। पोस्टर प्रतियोगिता में गणेश गौड़ ने प्रथम, गौरव बंसल, गुजंन पाण्डेय व नवनीत ने द्वितीय पुरस्कार, लवली ने तृतीय पुरस्कार व आमिर व खुशबू ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को कॉलेज के प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा व अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. संजय कुमार माहेश्वरी ने पुरस्कृत किया। पोस्टर प्रतियोगिता में रिंकल गोयल, डा. सुगंधा वर्मा, अंकित अग्रवाल आस्था आनन्द का योगदान रहा। कॉलेज के प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने विजयी छात्र-छात्राओं को शुभकामनायें देते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय आंदोलन को जिस प्रकार पोस्टर पर उतारा है। वह आजादी के संघर्ष की यादों का ताजा करता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. संजय कुमार माहेश्वरी ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि बहुत मशहादतों के बाद मिली आजादी को हमें सम्भालकर रखना है।

एस.एम.जे.एन. पी.जी. कालेज, हरिद्वार में आज दिनांक 09 अप्रैल 2021 स्मार्ट क्लास हेतु नवनिर्मित भवन एच-ब्लॉक का प्रदेश के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत द्वारा आज अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहन्त नरेन्द्र गिरि जी महाराज की अध्यक्षता में लोकार्पण किया गया। माननीय मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि, कॉलेज उत्कृष्ट उंचाईयों को प्राप्त करने में सफल रहा है. कॉलेज परिसर में एच-ब्लॉक भवन का लोकार्पण तो मात्र शुरूआत है, निरजंनी अखाड़ा श्री पंचायती द्वारा ऐसे बहुत से महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं जिसका लाभ आम-जन मानस के हित में है। मुख्यमंत्री ने अपील की कि तीर्थनगरी हरिद्वार में कुम्भ के पावन अवसर पर स्नान करनें जरूर आयें, परन्तु भारत सरकार द्वारा जारी कोविड-19 की गाईडलाईन का अवश्य ध्यान रखें।

मेहंदी प्रतियोगिता में दीक्षा ने जीता गोल्ड मेडल

आजादी का अमृत महोत्सव आयोजित

■ हरिद्वार/एसएनबी। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में 'आजादी का अमृत महोत्सव' पखवाड़े के अन्तर्गत मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें दीक्षा वर्मा ने 'अमर शहीद' प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। स्वाति व हिमांशी वर्मा ने रजत, दिव्या, सुरभि व अफसाना ने कांस्य पदक तथा निधि, एकता, गौरव बंसल, श्रुति गुप्ता को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

मेहंदी प्रतियोगिता में वंदना ने तिरंगा, शिवानी निशाद ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, निधि ने आजादी का उत्सव, एकता ने महात्मा गांधी, सुरभि ने सत्यमेव जयते, खुशी ने सेव स्पेरो, प्रेरणा ने तिरंगा, स्वाति ने जल ही जीवन है, दीक्षा वर्मा ने अमर शहीद, प्रिया सिंह ने सेव स्पेरो, प्रियल मैथारिया ने शहीद दिवस, अफसाना ने रानी लक्ष्मीबाई, दिव्या ने रानी लक्ष्मीबाई, हिमांशी वर्मा ने सेव स्पेरो, गौरी अग्रवाल ने तिरंगा, दिशा अग्रवाल ने सत्यमेव जयते, मोनिका फ्रीडम एंड हाउस स्पेरो, ईशा केसरी ने आजाद भारत, श्रुति गुप्ता ने दाण्डी मार्च, रीतिका सिंह ने स्पेरो डे, स्तुति गोयल ने सत्यमेव जयते, काजल ने महात्मा गांधी, गौरव बंसल ने शहीद दिवस, सुमैला ने मेरा भारत महान, जूली तिवारी सेव स्पेरो, मनीषा अग्रवाल ने महाराणा प्रताप सिंह, नवीशा अग्रवाल ने रानी लक्ष्मीबाई तथा रहनुमा ने मेहन्दी प्रतियोगिता में तिरंगा अपनी-अपनी प्रतिभा को दिखाया।

विजेता प्रतिभागियों को को पुरस्कृत करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि मेहन्दी देश की खुशहाली, तरक्की ,मुस्कुराहट के प्रतीक के साथ साथ त्याग एवं बलिदान का प्रतीक भी है। मेहंदी का लाल रंग जो शहीदों के त्याग एवं बलिदान का प्रतीक भी है। उन्होंने अपने खून से इस देश को आजादी दिलायी है। हम सब आजाद भगत सिंह, शहीद राजगुरु एवं शहीद सुखदेव को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन करते हैं एवं उनके प्रति अपनी तज्ञता प्रकट करते हैं। संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. संजय माहेश्वरी ने किया। निर्णायक मंडल की भूमिका का निवर्हन रिंकल गोयल, रिचा मिनोचा, डा. निविन्धया शर्मा, आस्था आनन्द, डा. लता शर्मा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संयोजन डा. प्रज्ञा जोशी, नेहा सिद्दकी, विनीत सक्सेना, नेहा गुप्ता, डा. पूर्णिमा सुन्दरियाल, डा. पुनीता शर्मा, डा. पदमावती तनेजा, दीपिका आनन्द, स्वाति चोपड़ा, प्रीति लखेड़ा, प्रिंस श्रोत्रिय आदि द्वारा किया गया।

अध्यात्म चेतना संघ हरिद्वार ने विराट गीता ज्ञान महोत्सव का किया आयोजन

श्रीमहंत रविंद्रपुरी को गीता रत्न से नवाजा

हरिद्वार | हमारे संवाददाता

हरिद्वार स्थित ज्वालापुर में अध्यात्म चेतना संघ की ओर से आयोजित विराट गीता ज्ञान महोत्सव में डॉ. सुनील कुमार बत्रा को सम्मानित किया। • हिन्दुस्तान

अध्यात्म चेतना संघ हरिद्वार के विराट गीता ज्ञान महोत्सव में श्रीमहंत रविन्द्र पुरी को गीता रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। उनकी ओर से यह सम्मान उनके प्रतिनिधि एसएम जे एन पी जी कालेज के प्राचार्य डॉ सुनील कुमार बत्रा द्वारा प्राप्त किया गया।

इसके अलावा डा. सुनील जोशी, डा. राधिका नागरथ, कवि रमेश रमण, डा. बी डी जोशी, ललित मिगलानी एवं हेमन्त पाठक को गीता गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य करुणेश मिश्र, अध्यक्ष प्रो. पीएस चौहान, संयोजक ब्रजेश शर्मा, अरुण कुमार पाठक, अर्चना शर्मा आदि ने समारोह में आये अतिथियों का स्वागत किया। संतोषी माता आश्रम की अध्यक्ष स्वामी संतोषी माता और संस्था के पदाधिकारियों ने समाज की विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर त्रिपुरा मंदिर के स्वामी शांतमुनि, विधायक आदेश चौहान, शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा, प्रो. सुनील बत्रा, गंगा सभा के अध्यक्ष प्रदीप झा, सहित शहर के प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए गीता का अध्ययनः प्रो. सत्यदेव

हरिद्वार। संस्कृत भारती उत्तरांचल द्वारा गीता जयंती समारोह प्रांत कार्यालय हरिद्वार में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. सत्यदेव निगमालंकार ने कहा कि गीता का उपदेश मानव जीवन के लिए सोपान की तरह है, इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गीता का अध्ययन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को कई कष्टों से बचाने का कार्य गीता करती है यह सत्य है गीता के अध्ययन से व्यक्ति के विकार नष्ट होते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. अरविन्द नारायण मिश्र ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि भारत देश में भगवान कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। मौके पर डॉ. मिश्र, बलवंत चौहान, डॉ. पवन कुमार, डॉ. नवीन यादव, डा. कुलदीप पंत, डॉ. वाणीभूषण भट्ट, मनन, प्रो. मनुदेव बन्धु, भगवती प्रसाद, जगदीशचन्द्र जोशी, वेदमित्र आदि उपस्थित रहे।

गढ़वाल विश्वविद्यालय ने इन छात्रों को प्रोन्नत करने का फैसला लिया

फाइनल इयर को छोड़कर बाकी छात्रों को नहीं देनी होगी परीक्षा

राहत

हरिद्वार | हमारे संवाददाता

गढ़वाल विवि में बीए, बीकॉम, बीएससी और एमकॉम, एमए, एमएससी अंतिम वर्ष को छोड़कर बाकी छात्रों को इस बार परीक्षा नहीं देनी होगी। विवि ने इस बार इन छात्रों को बिना परीक्षा के प्रोन्नत करने का निर्णय लिया है।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि इन छात्रों को अंतिम वर्ष मिले अंकों के साथ हाल ही में हुए इंटरनल सेमेस्टर परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर प्रोन्नत कर अगली कक्षा में भेज दिया जाएगा। यह लाभ सिर्फ उन छात्रों को मिलेगा जिन्होंने बीती परीक्षाओं में कम से कम 50 फीसदी अंक हासिल किए होंगे। लॉकडाउन के दौरान कॉलेजों में हुई ऑनलाइन इंटरनल परीक्षाओं में भी 50 फीसदी अंक मिलने जरूरी हैं। जबकि बीकॉम, बीए, बीएससी, एमकॉम, एमए, एमएससी फाइनल वर्ष के छात्रों की ऑब्जेक्टिव टाइप परीक्षा होगी, जिसमें उन्हें सही जवाब पर मार्क करना होगा। स्नातक के छात्रों को 35 जबकि स्नातकोत्तर के छात्रों को 30 प्रश्नों के जवाब देने होंगे।

जुलाई में होगी परीक्षाः फाइनल इयर के छात्रों की परीक्षाओं की तिथि अभी घोषित नहीं हुई है लेकिन यह परीक्षाएं जुलाई में कराने की तैयारी चल रही है।

बैक वालों को देनी होगी परीक्षा

जिन छात्रों की बीती परीक्षाओं में बैक आयी है उन्हें फार्म भरकर अगली कक्षा में प्रोन्नत तो कर दिया जाएगा लेकिन हालात सामान्य होने पर विवि द्वारा कराई जाने वाली परीक्षाओं को देना अनिवार्य होगा।

कॉलेज किये जा रहे सेनेटाइज

29 जून को कॉलेज खुलने से पहले पूरे कॉलेज को सेनेटाइज करना अनिवार्य है जिसकी तैयारी शुरू हो गयी है। क्लेरिकल स्टाफ कार्यालयों को सेनेटाइज करवा रहा है। कॉलेज खुलने से पहले कक्षाओं को सेनेटाइज किया जाएगा।

“ परीक्षाओं के लिए तैयारियां तेज कर दी गयी हैं। लंबे समय से बंद कॉलेज में साफ सफाई शुरू करने के साथ सेनेटाइजिंग का कार्य शुरू हो गया है। यह कार्य तीन चरणों में पूरा होगा। परीक्षा के समय सोशल डिस्टेंसिंग पर विशेष ध्यान होगा। बच्चों पर बोझ न पड़े इसके लिए परीक्षा में ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न पत्र दिया जाएगा। - डॉ. सुनील कुमार बत्रा, प्राचार्य, एसएमजेएन पीजी कॉलेज

विकास और पर्यावरण में संतुलन जरूरीः सिंह

हरिद्वार | हमारे संवाददाता

अभियान

- एसएमजेएन कालेज में मनाया गया हरेला पर्व
- वृक्षों के बिना मानव जीवन असम्भव : डा. बत्रा

एसएमजेएन कॉलेज में बुधवार को वैदिक मन्त्रोउच्चारण के साथ हरेला के शुभ अवसर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर अपर मेलाधिकारी हरबीर सिंह ने कहा कि पौधरोपण द्वारा ही जल संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सकता है। हमारा वृक्षों के साथ बहुत गहरा व सूक्ष्म संबंध है।

हमारे जीवन का प्रत्येक क्षण वृक्षों से संबंध रखता है। कहा कि हमें विकास और पर्यावरण में संतुलन बनाकर चलना आवश्यक है। कॉलेज प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि धरती पर हमारे सबसे नजदीकी मित्र वृक्ष हैं, जब आप वृक्ष काटते हैं तो समझिए आप अपनी जीवन शक्ति पर प्रहार कर रहे हैं। और अपनी ही परेशानियों को बढ़ा रहे हैं। यदि हम पोधों को उगायेंगे तो वे हमें आगे बढ़ायेंगे जो मानव कल्याण के लिए बहुत जरूरी है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण अधिकारी डा. संजय कुमार माहेश्वरी ने कहा कि प्रकृति ने हमें अनेक प्रकार के वृक्ष और जड़ीबूटियां दी हैं, हमें प्राण वायु के रूप में आक्सीजन देते हैं। वृक्ष हमें फलों के रूप में भोजन, अनाज व जड़ीबूटी के रूप में दवायें देते हैं। मुख्य अनुशासन अधिकारी डा. सरस्वती पाठक ने कहा कि वृक्ष रहेंगे तो मानव जीवन रहेगा, वृक्ष हमें आक्सीजन के रूप में प्राण वायु प्रदान करते हैं। कहा कि प्रकृति का संरक्षण ही भगवान शिव की सच्ची आराधना है। इस अवसर पर डा. नरेश कुमार गर्ग, डा. मन मोहन गुप्ता, डा. तेजवीर सिंह तोमर, नलिनी जैन आदि थे।

आरती ने बीए अंतिम वर्ष में प्राप्त किए 95.6 फीसदी अंक

आरती गोस्वामी। काजल उपाध्याय। शुभांगी।

संवाद न्यूज एजेंसी

98 प्रतिशत रहा एसएमजेएन का बीए का परीक्षाफल

महाविद्यालय के प्राचार्य ने सफलता पाने वाले छात्रों को दी बधाई

हरिद्वार। एसएमजेएन महाविद्यालय की छात्रा आरती गोस्वामी ने एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय में बीए फाइनल सेमेस्टर में श्रेष्ठता सूची में 95.6 फीसदी अंक हासिल कर हरिद्वार का नाम रोशन किया है।

एसएमजेएन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि गढ़वाल विश्वविद्यालय ने बीए फाइनल सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के बीच भी महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम 98 फीसदी रहा है। उन्होंने बताया कि हमारे महाविद्यालय के 197 छात्र-छात्राओं ने बीए फाइनल सेमेस्टर की परीक्षा दी थी। जिसमें से आरती गोस्वामी ने 95.6 सीजीपीए प्राप्त कर प्रथम स्थान, शुभांगी कंबोज ने 84.7 सीजीपीए प्राप्त कर दूसरा स्थान और काजल उपाध्याय 82.0 सीजीपीए प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा मधु चौहान ने 75.9, नीलम ने 74.8, अजय शर्मा ने 74.7, अंजली 74.5 सीजीपीए प्राप्त कर परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कॉलेज प्रबंध सचिव और मनसा देवी मंदिर के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने छात्रों की सफलता पर खुशी जताई।

'विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन जरूरी

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में हरेला पर्व के तहत रोपे पौधे, देखभाल का लिया संकल्प

माई सिटी रिपोर्टर

श्रीमहंत लखन गिरि बोले हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण का ले संकल्प

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में हरेला पर्व के तहत सैकड़ों पौधे रोपे गए। पौधरोपण का शुभारंभ करते हुए अपर मेलाधिकारी हरबीर सिंह ने कहा कि विकास और पर्यावरण में संतुलन बनाना जरूरी है।

इससे पहले अपर मेला अधिकारी हरबीर सिंह, कालेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत लखन गिरि महाराज, सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज, श्रीमहंत डोंगर गिरि महाराज, दिगंबर रघुवन महाराज और कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने नीम, पीपल, बिल्वपत्र, अमलतास और छायादार पौधे रोपे। कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री महंत लखन गिरि महाराज ने कहा कि वृक्षों का अस्तित्व हमारे जीवन और जीवनशैली दोनों से जुड़ा है।

कॉलेज प्राचार्य डा सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि हमें वृक्षों के महत्व को समझना होगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, मुख्य अनुशासन अधिकारी डा सरस्वती पाठक, डॉ. नरेश कुमार गर्ग, डॉ. मन मोहन गुप्ता, डॉ. तेजवीर सिंह तोमर, नलिनी जैन, डॉ. जगदीश चंद्र आर्य, विनय थपलियाल, डॉ. सुषमानयाल, कार्यालय अधीक्षक मोहन चंद पांडेय आदि इस दौरान मौजूद रहे।

एसएमजेएन में पौधरोपण करते अपर कुंभ मेलाधिकारी हरबीर सिंह साथ में संत।

रेखा गणित ही है प्राचीन गणित का आधार : नरेंद्र

आर्यभट्ट श्रीधराचार्य महावीराचार्य आदि श्रेष्ठ गणितज्ञ मध्य काल ने दिए : पुरोहित

एसएमजेएन कॉलेज में पुरातन भारतीय गणित का वर्तमान परिप्रेक्ष्य विषय पर वेबिनार आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

हरिद्वार। मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार प्रोफेसर नरेंद्र सिंह ने कहा कि रेखा गणित ही प्राचीन गणित का आधार है। इस युग में गणित का भारत में अधिक विकास हुआ। इसी युग में बौधायनशुल्व सूत्र की खोज हुई, जिसे हम आज पाइथागोरस प्रमेय के नाम से जानते हैं।

एसएमजेएन पीजी कालेज में पुरातन भारतीय गणित का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विभिन्न प्रसंगों पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में मुख्य अतिथि प्रोफेसर नरेंद्र सिंह और गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर केडी पुरोहित (सलाहकार उच्चतर शिक्षा सेवा अभियान उत्तराखंड) रहे। प्रोफेसर केडी पुरोहित ने कहा की मध्य काल ही भारतीय गणित का स्वर्ण काल है। आर्यभट्ट, श्रीधराचार्य, महावीराचार्य आदि श्रेष्ठ गणितज्ञ इस काल में ही हुए। प्रोफेसर एसजी दानी ने प्राचीन गणित में ज्योतिष विद्या जिसमें खगोल को 24 भागों में बांटने की भूमिका का महत्व फर्मेट थ्योरम आदि कई तथ्यों के बारे में बताया। छत्तीसगढ़ के नंदग्राम पीजी कालेज के डॉक्टर ओम श्रीवास्तव ने [illegible] शास्त्र की जानकारी दी। इस अवसर पर भारत के अलग-अलग विश्वविद्यालय जैसे आईआईटी रुड़की, मुंबई, चौधरी चरण सिंह विवि मेरठ, भिलाई, आंध्र प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड आदि से विभिन्न प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्य एवं वेबीनार के निदेशक डॉ. सुनील कुमार बत्रा, वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. हेमवती नंदन एवं डॉ निधि हांडा, आयोजक सचिव डॉ. पद्मावती तनेजा, सह आयोजक सचिव वैभव बत्रा, डॉ. नरेश कुमार गर्ग, डॉ. संजय माहेश्वरी, [illegible] आर्य, डॉ. सरस्वती पाठक आदि ने भी अपने विचार रखे।

एसएमजेएन कॉलेज की ओर से आयोजित वेबिनार में भाग लेते मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार प्रोफेसर नरेंद्र सिंह व अन्य।

भारतीय जागरूकता एवं मानव अधिकार संरक्षण समिति की ओर से आयोजित वेबिनार में भाग लेते लोग।

बिना किसी भेदभाव के अधिकारों का करें पालनः टंडन

हरिद्वार। भारतीय जागरूकता समिति एवं मानव अधिकार संरक्षण समिति द्वारा मानव अधिकार विषय पर वेबिनार का आयोजन करते हुए मानव अधिकारों को जानते हुए उनका दुरुपयोग न करने की सलाह दी। [illegible]

करो या मरो का आगाज ही देश की स्वतंत्रता का आधारः डा.बत्रा

हरिद्वार (बद्री विशाल)। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में भारत छोड़ो आन्दोलन विषय पर सोशल डिस्टेंसिंग के अनुसार परिचर्चा आयोजित की गयी। परिचर्चा को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डा.सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में 8 अगस्त के दिन का विशेष महत्व है। महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को भारत से निकालने के लिए अंहिसक आन्दोलनों का नेतृत्व किया और 8 अगस्त, 1942 को उन्होंने 'भारत छोड़ो आन्दोलन' की शुरूआत करने का प्रस्ताव पास किया। इस दिन पूरे देश में क्रान्ति की लहर दौड़ गयी थी। यह आन्दोलन 9 अगस्त, 1942 को शुरू हुआ था। डा. बत्रा ने बताया कि ब्रिटिश शासन के खिलाफ महात्मा गांधी जी का यह तीसरा बड़ा मुख्य आन्दोलन था। यह भारत को तुरन्त आजाद कराने के लिए अंग्रेजी शासन के खिलाफ जन आक्रोश की अभिव्यक्ति थी। इस आन्दोलन में देश के आम लोगों से आह्वान किया था कि अंग्रेजी साम्राज्यवाद से लड़ने के लिए तैयार हो जायें। डा.मनमोहन गुप्ता ने बताया कि 'भारत छोड़ो आन्दोलन' की वजह से अंग्रेज भारत छोड़ने पर मजबूर हो गये। यह आन्दोलन ऐसे समय आरम्भ किया गया था जब दुनिया काफी बदलावों के दौर से गुजर रही थी। डा.संजय कुमार माहेश्वरी ने बताया कि साम्राज्यवाद के खिलाफ आन्दोलन तेज होते जा रहे थे। एक ओर भारत गांधी के नेतृत्व कि आशा कर रहा था और दूसरी ओर नेता जी सुभाष चन्द्र बोस भारत को आजाद करने के लिए फौज तैयार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि जन आन्दोलन ने भारत की आजादी की मजबूत जमीन तैयार हो चुकी थी, अब स्वतंत्रता कुछ ही समय की बात थी। गांव से शहर तक सरकार को पंगु बना दिया गया था। डा.सरस्वती पाठक, विनय थपलियाल, डा.नलिनी जैन, डा.सुषमा नयाल, मोहन चन्द्र पाण्डेय, वेद प्रकाश चौहान आदि ने भी विचार रखे।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए बधाई के पात्र हैं प्राचार्य एवं शिक्षकः रविन्द्र पुरी

बी.कॉम. का परीक्षाफल विश्वविद्यालय परीक्षाओं में रहा सौ प्रतिशत

हरिद्वार (बद्री विशाल)। एसएमजेएन पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील बत्रा ने बताया कि हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा बी.कॉम. षष्ठम् सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित किया गया है, जिसमें एसएमजेएन पीजी कॉलेज का परीक्षाफल सौ प्रतिशत रहा है। प्राचार्य डॉ. सुनील बत्रा ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि हमारे महाविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि कोरोना काल रहने के बावजूद भी विश्वविद्यालय में हमारे महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम सौ प्रतिशत रहा। उन्होंने बताया कि हमारे महाविद्यालय के 145 छात्र-छात्राओं ने बी.कॉम. षष्ठम् सेमेस्टर में प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की है। डॉ. बत्रा ने बताया कि महाविद्यालय के 29 छात्र-छात्राओं ने 7 सीजीपीए से अधिक का ग्रेड प्राप्त कर इतिहास रचा है जिसमें कु. अल्का ने सर्वाधिक 8.02 सीजीपीए प्राप्त कर महाविद्यालय में प्रथम स्थान, कु. मानसी ने 7.94 सीजीपीए अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान व कु. अपूर्वा कौशिक ने 7.91 सीजीपीए अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त हर्षिता पाहवा, सुष्मिता, सिमरन आस्था, तानिया सचदेवा, नेहा वर्मा, श्रेया जैन, राशी चौहान, हेमन्त कुमार, राधिका अग्रवाल, परोमिता शर्मा, अंजली, मानसी उप्रेती, दिव्या अग्रवाल, आस्था गुलाटी, पारूल जैन, अंजली यादव, दीपांशु कुमार आदि 29 छात्र-छात्राओं के नाम 7 सीजीपीए से अधिक अंक प्राप्त करने वाले वाली श्रेणी में सम्मिलित हैं। इस अवसर पर कॉलेज प्रबन्ध सचिव श्रीमहन्त रविन्द्र पुरी महाराज ने इस उत्कृष्ट परीक्षाफल के लिए, छात्र-छात्राओं के साथ-साथ प्राचार्य एवं कॉलेज स्टाफ को अपनी बधाई प्रेषित की। श्रीमहन्त ने कहा कि सीमित संसाधनों एवं विपरीत परिस्थिति के बावजूद छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की गयी। मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. सरस्वती पाठक, डॉ. मन मोहन गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, डॉ. जगदीश चन्द्र आर्य, डॉ तेजवीर सिंह तोमर, सुषमा नयाल, अंकित अग्रवाल, मोहन चन्द्र पाण्डे, वेद प्रकाश चौहान, होशियार सिंह चौहान, संजीत कुमार आदि ने अपनी शुभकामनायें प्रेषित की।

Semester system and Choice Based Credit System (CBCS) with Semester for Under Graduate Students

B.A. Programme

The following scheme will be implemented for B.A. Students

Year I	B.A (Hindi), English, Sanskrit) Economics, Political Science Social Science, History and Music किन्हीं तीन विषयों का चयन करें। हिंदी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में से केवल दो विषयों का ही चयन किया जा सकता है।				
Semester	Core Compulsory (CC)	Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)	Skill Enhancement Elective Course (SEC)	Discipline Specific Core Course (DSCC)	**Generic Elective** (GE)
III Sem.	English Language-II		Skill Based-1	Subject 1 Core Paper III Subject 2 Core Paper III	
IV Sem.	Hindi/ Sanskrit Language /MIL-II		Skill Based-II	Subject 1 Core Paper IV Subject 2 Core Paper IV	
V Sem.			Skill Based-III	Subject 1 Core Paper V Subject 2 Core Paper V	GE-1 Paper I
VI Sem.			Skill Based-IV	Subject 1 Core Paper VI Subject 2 Core Paper VI	GE-2 Paper-II

B.Sc. Programme

The following scheme will be implemented for B.Sc. Students

Year	B.Sc.Ist year , PCM, CBZ, CPM			
Semester	Discipline Specific Core Course (DSCC)	Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)	Skill Enhancement Elective Course (SEC)	Discipline Specific Elective (DSE)
I	Subject I, Core paper-III Subject II, Core paper-III Subject III , Core paper-III		Skill Based - I	
II	Subject I, Core paper-IV Subject II, Core paper-IV Subject III, Core paper-IV		Skill Based - II	
III			Skill Based - III	Subject I, Elective Paper-I Subject II, Elective Paper-I Subject III, Elective Paper-I
IV			Skill Based - IV	Subject I, Elective Paper-I Subject II, Elective Paper-I Subject III, Elective Paper-I

B.Com Programme

The following scheme will be implemented for B.Com. Students

Year-I	B.Com I Year Group-I Management Group), Group II Accounting Group III, B.Eco. & B. Law							
Sem.	S.No	Course Code	Course Name	Course Structure	Periods			Credits
					L	T	P	
B.Com. Sem. III	2	BC-302	Income Tax Law and Practice	Core Course C-6	4	1	1	6
	3	BC-303	Hindi/ Sanskrit/Modern Indian Languages	Language-3	5	1	0	6
	4	BC-304	Computer Applications in Business	Skill-Enhancement Elective Course (SEC)-1(a)	2	0	0	2
			Practical	Skill-Enhancement Elective Course (SEC)-1(b)	0	0	2	2
B.Com. Sem. IV	1	BC-401	Business Communication	Language-4	5	1	0	6
	2	BC-402	Corporate Accounting	Core Course C-7	5	1	0	6
	3	BC-403	Cost Accounting	Core Course C-8	5	1	0	6
	4	BC-404	E-Commerce	Skill-Enhancement Elective Course (SEC)-2(a)	3	0	0	3
			Practical	Skill-Enhancement Elective Course (SEC)-2(b)	0	0	1	1
B.Com. Sem. V	1	BC-501	Any one of the following a. Human Resource Management b. Principles of Marketing	Discipline -Specific Elective (DSE)-1	5	1	0	6
			c (i)Computerised Accounting System		4	0	0	4
			c (ii) Practical		0	0	2	2
	2	BC-502	Any one of the following a. Fundamentals of Financial Management b. GST	Discipline- Specific Elective (DSE)-2	5	1	0	6
	3	BC-503	Principles of Micro Economics	Generic Elective (GE)-1	5	1	0	6
	4	BC-504	Entrepreneurship	Skill-Enhancement Elective Course (SEC)-3	4	0	0	4
B.Com. Sem. VI	1	BC-601	Any one of the following a. Corporate Tax Planning b. Banking and Insurance c. Fundamentals of Investment d. Auditing and Corporate Governace	Discipline -Specific Elective (DSE)-3	5	1	0	6
	2	BC-602	Any one of the following a. International Business b. Office Management and Secretarial Practice c. Management Accounting d. Consumer Protection	Discipline -Specific Elective (DSE)-4	5	1	0	6
	3	BC-603	Indian Economy	Generic Elective (GE)-2	5	1	0	6
	4	BC-604	Seminar and Comprehensive Viva-Voce	Skill-Enhancement Elective Course (SEC)-4	0	0	0	4

रंगोली के माध्यम से देश की आजादी को किया जीवन्त

हरिद्वार (बद्री विशाल)। एसएमजेएन पीजी कालेज में आज अमृत महोत्सव पखवाड़े के तहत महाविद्यालय परिसर में रंगोली कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं की विश्वविद्यालय परीक्षाएं होने के बावजूद भी उन्होंने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य डा. सुनील बत्रा ने कहा कि रंगोली रंगों के माध्यम से जिन्दगी के विभिन्न आयामों को अभिव्यक्त करने का बेहतर माध्यम है। इस विधा के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने देश की आजादी, स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन को रंगोली के माध्यम से जीवंत करने का सार्थक प्रयास किया है। डॉ. बत्रा ने कहा कि रंगोली के अभिनव प्रयोग से जहां मस्तिष्क को शांति मिलती है वहीं यह लोगों को जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम है। चीफप्रोक्टर डॉ. सरस्वती

साक्षी बनीं जिला संख्याधिकारी अधिकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज की छात्रा साक्षी शर्मा की जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी के पद पर नियुक्ति होने पर कॉलेज परिवार की ओर से उनका स्वागत किया गया। कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि साक्षी शर्मा ने कॉलेज के साथ-साथ अपने माता-पिता, परिवार व जनपद का नाम रोशन किया है।

होनहार को कॉलेज प्रबंधन ने किया सम्मानित

प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि साक्षी शर्मा पूर्व में सहायक विकास अधिकारी, सहकारिता विभाग, टिहरी में नियुक्त हुई थीं, साक्षी शर्मा ने अपनी मेहनत और लग्न के कारण अब जिला अर्थ एवं सांख्याधिकारी के पर पद नियुक्ति पाई है।

इस मौके पर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत लखन गिरि, पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव श्रीमहंत राम रतन गिरि, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डा. नरेश कुमार गर्ग, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. सरस्वती पाठक, मुख्य अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, डा. मन मोहन गुप्ता, डा. जेसी आर्य आदि मौजूद रहे।

लोग | अमर उजाला | मंगलवार • 08.12.2020 | 04

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते जिलाधिकारी सी रविशंकर।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर कमांडेंट अनिमेष आशीष चौधरी को चेक देते मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज।

वीरों के पराक्रम के सम्मान में करें दान

बहादुर सिपाहियों के सम्मान में मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

माई सिटी रिपोर्टर

हरिद्वार। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले भारतीय सेना के बहादुर सिपाहियों के सम्मान में सोमवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर एके चौधरी ने जिलाधिकारी सी रविशंकर को प्रतीक झंडी लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। [illegible]

भारत के वीर सैनिकों पर हमें गर्व : रविंद्र पुरी

श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने सैनिक कल्याण कोष को दिए 51 हजार रुपये

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट और कॉलेज प्रबंधन समिति श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि [illegible] सैनिक कल्याण कोष के लिए 51 हजार की धनराशि प्रदान की। [illegible]

... 1333000100025392, आईएफसी कोड पीयूएनबी 0106400 पंजाब नेशनल बैंक [illegible]

हिंदू शौर्य दिवस पर अंबा तालाब स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करते विहिप के पदाधिकारी और कार्यकर्ता।

विहिप ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

[illegible]

पुलवामा के शहीदों ने बदली वैलेंटाइन डे की परिभाषाः डा. बत्रा

मातृभूमि के प्रति अनुराग व्यक्त करने का दिवस है वैलेंटाइन डे

हरिद्वार (दैनिक हाक): स्थानीय एस एम जे एन पीजी कॉलेज मे आज के दिन पुलवामा हमले में कायर आतंकवाद के शिकार हुए सेना के अमर शहीदों को कोटि कोटि नमन किया गया। पुलवामा में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों को शौर्य दीवार एवं मां भारती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए गये। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि देश के शहीदों द्वारा अपनी मातृभूमि को सर्वोच्च त्याग अर्पित कर मातृभूमि पर शीश अर्पित करने का था। वास्तव में आजाद भारत के इतिहास में यह दिवस त्याग एवं बलिदान के रूप में जाना जाएगा। देश के शहीदों ने अपना सर्वोच्च बलिदान न्यौछावर कर देश के प्रति अपने प्यार एवं अनुराग को प्रदर्शित किया। देश के शहीदों ने सर्वोच्च बलिदान कर मातृभूमि के प्रति अपने प्रेम को अभिव्यक्त किया उन्होंने वास्तव में वैलेंटाइन डे की परिभाषा को बदल कर देश के प्रति अनुराग व्यक्त करने का दिवस बना दिया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ संजय माहेश्वरी ने शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक शहीदों एवं उनके परिवारों का हमेशा कृतज्ञ रहेगा।

इस अवसर पर उपस्थित छात्र–छात्राओं द्वारा शौर्य दीवार पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके लिए 2 मिनट का मौन भी धारण किया गया। इस अवसर पर डॉ श्रीमती सरस्वती पाठक, वैभव अरोड़ा, राहुल सारस्वत, आदर्श कश्यप, काजल, रवि सैनी, अनमोल मेहता, जूही पालीवाल, कविता राजपूत, साक्षी सिंह, आनंद सिंह, वैभव बत्रा, विशाल आदि ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

my city | हरिद्वार | मंगलवार • 27.07.2021 | 02 | www.amarujala.com

अमर उजाला | my city | हरिद्वार

उत्तराखंड देवभूमि ही नहीं वीर भूमि भी : डीएम

शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

माई सिटी रिपोर्टर

हरिद्वार। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में कारगिल दिवस को शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया। जिलाधिकारी सी रवि शंकर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से वीर सैनिकों को नमन करते कहा कि आज का दिन हमारे लिए गर्व का दिन है।

डीएम ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि ही नहीं, वीर भूमि भी है। उत्तराखंड के लोगों ने हमेशा सेना में बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। [illegible]

पौधारोपण कर किया नमन : [illegible]

वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करते श्रीमहंत रविंद्रपुरी व अन्य।

देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ लेतीं शिक्षिकाएं।

'भारत के शौर्य का प्रतीक है कारगिल विजय दिवस'

[illegible]

शिव सैनिकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी

[illegible]

कारगिल के वीरों को किया नमन

[illegible]

स्मृता परमार होंगी भगवानपुर की एसडीएम

[illegible]

शांतिकुंज आने का दिया निमंत्रण

[illegible]

रक्तदान करने के लिए उमड़े महादानी

एसएमजेएन कॉलेज में लगे शिविर में 143 लोगों ने किया रक्तदान

संवाद न्यूज एजेंसी

[illegible]

शिविर में रक्तदाताओं के साथ में रक्तदान करने के लिए आगामी करते शिक्षक।

शिविर में 333 लोगों के आंखों की हुई जांच

[illegible]